सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 265 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 08 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आईएएस यशवंत कुमार को खेल एवं युवा कल्याण विभाग की जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी 2007 बैच के आईएएस यशवंत कुमार को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। इससे पहले इस पद पर 2007 बैच के ही आईएएस हिमशिखर गुप्ता कार्यरत थे। आईएएस हिमशिखर गुप्ता को वर्तमान प्रभार सचिव, श्रम विभाग तथा अति. प्रभार सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सचिव, गृह एवं जेल विभाग तथा श्रमायुक्त में से सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर उनकी जगह आईएएस यशवंत कुमार को प्रभार दिया गया। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

जांजगीर-चांपा में आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत, खेत देखने गए थे राजेंद्र साहू

जांजगीर चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम महुदा में सोमवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय राजेंद्र साहू के रूप में हुई है। यह घटना चांपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई।

जानकारी के अनुसार, राजेंद्र साहू दोपहर करीब 12:30 बजे खेत देखने के लिए घर से निकले थे। इस दौरान अचानक मौसम खराब हुआ और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए राजेंद्र ने छप्पर के नीचे शरण ली, लेकिन तभी आकाशीय बिजली गिरने से वह अचेत होकर खेत में गिर पड़े। आसपास काम कर रहे अन्य किसानों ने उन्हें देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन राजेंद्र को बिसाहू दास महंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र के परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है। इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।चांपा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

मैनपाट में हुआ भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

जेपी नड्डा बोले- लोगों के लिए जमीनी स्तर पर काम करें मंत्री, विधायक व सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के मैनपाट में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यक्रम शुभारंभ किया। प्रशिक्षण वर्ग के पहले दिन तीन सत्रों में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिवप्रकाश प्रकाश,क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने समस्त सांसद विधायक और मंत्रीगणों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान जेपी नड्डा ने सांसदों और विधायकों को संगठन के साथ अधिक तालमेल बैठाकर जमीनी स्तर पर काम करने की सलाह दी।

इस अवसर बूथ स्तर पर पार्टी की उपस्थिति मजबूत करने, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और विपक्ष के दुष्प्रचार का तथ्यपूर्ण जवाब देने की रणनीति पर भी गहन चर्चा हुई। नड्डा ने कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं है, यह नेतृत्व को तैयार करने, संगठन को सशक्त बनाने और कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने का माध्यम है।

मां के नाम से एक-एक पेड़ लगायें

प्रशिक्षण वर्ग उद्घाटन से पहले मैनपाट बायोडायवर्सिटी उद्यान सभी सांसद विधायक में मंत्री गणों ने सिंदूर, रुद्राक्ष, आम व विभिन्न प्रजाति के एक-एक पेड़ मां के नाम से लगाये। प्रशिक्षण की प्रस्तावना व भूमिका भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने रखी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव सिंह, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश भाजपा प्रभारी नितिन नबीन, राष्ट्रीय संगठक वी सतीश, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित प्रदेश भाजपा के सभी सांसद, विधायक एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के गांव-गांव व घर-घर तक पहुंचाएं विकास

जेपी नड्डा ने पार्टी के सभी सांसदों व विधायकों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार के विकास कार्यों एवं इनिशिएटिव को छत्तीसगढ़ के गांव-गांव, घर-घर पहुंचाने की अपील की। उन्होंने ने न केवल सामाजिक जागरूकता को बल दिया, बल्कि पार्टी के सांसदों और विधायकों को आगामी कार्ययोजनाओं के लिए दिशा-निर्देश भी दिया। उन्होंने पार्टी की विचारधारा, संगठन की भूमिका, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि विचार, मूल्य और सेवा का एक समर्पित आंदोलन है।

नोट बरामद होना ही दोष नहीं, हाईकोर्ट बोला- रिश्वत साबित होना जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफजस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल नोट बरामद होने के आधार पर किसी आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। बल्कि, यह साबित करना भी जरूरी है कि उसने नौअ रिश्वत के रूप में अपनी मर्जी से ली थी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़े गए आदिम जाति कल्याण विभाग में पदस्थ रहे कर्मचारी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है।

दरअसल एसीबी ने आदिम जाति कल्याण शाखा के मंडल संयोजक लवन सिंह चुरेंद्र के पास एसीबी ने 1 फरवरी 2023 को 8 हजार रुपए बरामद किया था। जिस पर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले में मदनपुर के गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में पदस्थ टीचर बैजनाथ नेताम ने एसीबी से शिकायत की थी, जिसमें बताया कि लवन सिंह चुरेंद्र ने हॉस्टल के छात्रों की स्कॉलरशिप सेक्शन करने के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। जांच के बाद एसीबी ने जांच पूरी होने के बाद विशेष न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत आरोपी को दो साल और धारा 13 (1)(डी) 13(2) के तहत दो साल की सजा सुनाई थी।

इस फैसले के खिलाफ आरोपी कर्मचारी ने हाईकोर्ट में अपील की थी। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया कि शिकायत करने वाला खुद भ्रष्टाचार के मामले में संदेह के घेरे में था। रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़े गए चुरेंद्र ने पूर्व में शिकायतकर्ता के खिलाफजांच रिपोर्ट दी थी, जिसमें शिकायतकर्ता पर जुलाई 2011 से अनुपस्थित छात्रों को उपस्थित बताकर 50 हजार 700 की छात्रवृत्ति हड़पने का आरोप लगाया गया था। सहायक आयुक्त ने उसे नोटिस भी जारी किया था, लेकिन उसने राशि जमा नहीं की। कोर्ट को रिश्वत के कोई सुबूत नहीं मिले जिसका लाभ देते हुए आरोपी को बरी कर दिया है।

गोपाल खेमका हत्याकांड

दूसरा आरोपी एनकाउंटर में ढेर, पूछताछ करने गई तो करने लगा था फायरिंग

पटना ए.। बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के दूसरे आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। पटना सिटी में आरोपी का सुराग मिलने के बाद पुलिस उसके घर पहुंची थी। इससे पहले की पुलिस पूछताछ के लिए उसे हिरासत में लेती उसने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें आरोपी ढेर हो गय। यह एनकाउंटर मंगलवार तड़के 4 बजे एनकाउंटर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पटना सिटी एसएसपी सहित बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से 1 पिस्टल, गोली और खोखा बरामद किया गया है। विकास उर्फराजा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि विकास उर्फ राजा मालसलामी इलाके में रहता था। बताया जा रहा है कि राजा ने ही शूटर उमेश यादव को हथियार दिया था।

पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा का कहना है कि राजा पर पहले से कई मामले दर्ज थे। कई हत्याओं में उसका नाम सामने आ चुका था। वह शूटर भी था। पुलिस उससे पूछताछ करने पहुंची थी तो उसने फायरिंग शुरू कर दी थी। जवाबी फायरिंग में वह ढेर हो गया। पटना पुलिस ने दो पहिया वाहन, हथियार और सुपारी के रूप में दिए गये लगभग तीन लाख रुपए भी बरामद किए हैं।

हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी का वेबसाइट हैक

हैकर्स ने किए भारत-पाक से संबंधित पोस्ट, अपशब्ध भी लिखे

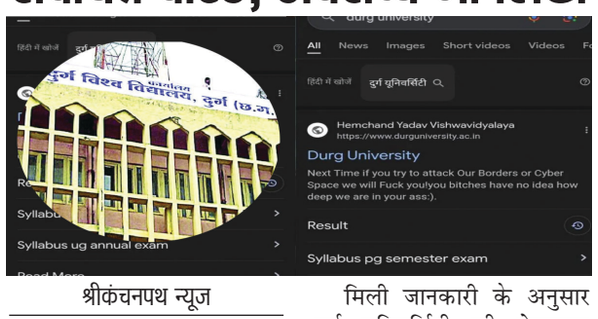

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के हेमचंद यादव विश्वविद्यालय (Hemchand Yadav University) की वेबसाइट सोमवार को हैक हो गई। सोमवार को युनिवर्सिटी की वेबसाइट हैक रही और इस दौरान हैकर्स ने अंग्रेजी में अपशब्दों से भरी टिप्पणियां की और धमकी भरे पोस्ट भी किए। हैकर्स ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर हमले का जिक्र किया गया। वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिलने के बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन में हड़कंप मच गया। इसके बाद इस मामले में साइबर सेल को सूचना दी गई। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग यूनिवर्सिटी की वेबसाइट सोमवार को हैकर्स के कब्जे में चली गई। काफी देर तक हैकर्स वेबसाइट में अपशब्ध लिखते रहे। इस दौरान एक पोस्ट धमकी भरा भी था। एक पोस्ट में लिखा था कि अगली बार अगर तुमने हमारी सीमाओं या साइबर स्पेस पर हमला करने की कोशिश की, तो हम तुम्हें ऐसी'। इस तरह का पोस्ट आने के बाद युनिवर्सिटी प्रबंधन ने इसकी शिकायत साइबर सेल में की है। बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले के तार पाक से जुड़े हो सकते हैं। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है।

नदी-नाले उफान पर, छत्तीसगढ़ में दुर्ग, बस्तर व बिलासपुर संभाग में भारी बारिश की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में मानसून अपने पूरे सबाब पर है। पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश ने मंगलवार को उग्र रूप ले लिया है। सोमवार रात से लगातार बारिश जारी है। दुर्ग भिलाई व राजधानी रायपुर से लेकर प्रदेशभर में हो रही बारिश से नदी नाले उफन पर हैं। प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया है। भारी बारिश के कारण लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच आज मंगलवार को मौसम विभाग ने दुर्ग, बस्तर और बिलासपुर संभाग भारी बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम गंगीय पश्चिम बंगाल और उसके आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे संबंधित चक्रीय परिसंचरण समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक फैला हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक हुआ है। यह अगले दो दिनों दौरान झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ में धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव से पूरे प्रदेश में आज भारी बारिश के आसार हैं। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि प्रदेश के दुर्ग, बस्तर और बिलासपुर संभाग में एक दो जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने और गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है। अगले दो दिनों तक ऐसे ही मौसम बने रहने की संभावना है।

शिवनाथ में लगातार बढ़ रहा जल स्तर

लगातार हो रही बारिश के कारण दुर्ग के शिवनाथ नदी का जलस्तरा बढ़ रहा है। महमरा एनिकट पर बढ़ते जलस्तर के बीच पर्यटक भी पहुंच रहे हैं। बारिश को देखते हुए प्रशासन ने भी अलर्ट जारी किया है। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफको तैनात किया गया है। दुर्ग जिला प्रशासन ने एनिकट के ऊपर पानी बहने पर वहां से आने जाने से बचने की सलाह दी है। लगातार हो रही बारिश के कारण भिलाई में कई जगह पानी भर गया है। शहर के निचले इलाकों में पानी भरा हुआ है। सुपेला में गदा चौक तक जगह-जगह पानी भरा हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेशभर में बारिश हुई है।

सुनने वाले कान अब नहीं मिलते

श्रीकंचनपथ

नए दौर ने इंसान को बेहद अकेला कर दिया है। सहानुभूति, संवेदनशीलता जैसे शब्द भी पुराने हो चले हैं। रिश्ते बोझ बनते जा रहे हैं। यहां तक कि यार-दोस्तों की कमी भी अब नहीं खलती। पहले बच्चे स्कूल से लौटते ही बस्ता फेंककर दोस्तों के साथ खेलने चले जाते थे। महिलाएं भी काम खत्म कर दोपहर को एक साथ बैठकर सुख-दुख बांटा करती थीं। कामकाजी पुरुष भी शाम को काम खत्म करने के बाद चौपालों पर मिला करते थे। इंसान के लिए इंसान की सोहबत जरूरी थी। पर यह सब बीती सदी की बातें हो चलीं। नया दौर ऐसे लोगों से दूर रहने को कहता है जो आपको भावुक बना देते हैं। जब इंसान आपसे अपनी तकलीफें साझा करता है तो वह हमेशा आपकी मदद नहीं मांग रहा होता। कभी-कभी वह सिर्फ अपनी तकलीफें किसी अपने के साथ साझा कर अपने मन को हल्का करना चाहता है। पर इसके लिए जिस सहानुभूति की जरूरत होती है, जिस धैर्य की जरूरत होती है, वह अब लोगों में नहीं रही। विकास के पहिए ने इंसानों को मशीन बना दिया है। अब वह या तो काम करता है, या खाता है या फिर मोबाइल कोचककर अपना समय काट लेता है। वह एक आभासी दुनिया में जी रहा है। इसलिए जब तकलीफें आती हैं तो वह स्वयं को पूरी तरह से अकेला पाता है। यही अकेलापन न केवल उसे मानसिक रोगी बना रहा है बल्कि तरह-तरह की शारीरिक व्याधियों में भी जकड़ रहा है। जापान में लोग दीर्घ जीवी होते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इस देश ने तेजी से तरक्की की। सीमित साधनों के बीच उसने इतना काम किया कि दुनिया आज भी उसकी मिसालें देती हैं। पर यही जापान अब न केवल अकेलेपन से जूझ रहा है बल्कि इससे बाहर निकलने के तरीके भी ढूंढ रहा है। अब लोग यहां अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए लोगों को किराए पर ले रहे हैं। इनका एकमात्र काम होता है आपके साथ बैठना, आपकी बातें सुनना और सहानुभूति व्यक्त करना। उससे किसी तरह की मदद की अपेक्षा नहीं होती। 41 साल का शोजी मोरीमोटो भी ऐसा ही एक व्यक्ति है जो लोगों को किराए पर उपलब्ध है। इस काम से वो साल के 69 लाख तक कमा रहा है। मोरीमोटो ने 2018 में 'किराए पर आदमी' के तौर पर काम करना शुरू किया था। तब से उसे 4 हजार से ज्यादा बार हायर किया जा चुका है। वैसे तो जापान में 'किराए पर इंसान' की सर्विस नई नहीं है। लोग वहां दोस्त, बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड तक किराए पर लेते हैं। पर यह मसला अलग है। क्लाइंट मोरीमोटो को इमोशनल सपोर्ट देने वाले पार्टनर के तौर पर हायर करते हैं। उसका काम सिर्फ क्लाइंट के बुरे अनुभवों को चुपचाप सुनना और उसे अपने तक सीमित रखना होता है। दुख हल्का करने के इस पेशे में संवेदनशीलता ही सबसे बड़ी डिग्री है।

संपादकीय

भारतीय टीम ने एजबेस्टन में किया कमाल

भारतीय क्रिकेट टीम ने युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में पांच टेस्ट मैच की सीरीज के दूसरे मैच में इंग्लैंड को एजबेस्टन में 336 रन से हराकर कमाल कर दिया। किसी को यकीन नहीं था कि पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम दूसरे मैच में ऐसा कमाल करेगी। टीम में बुमराह,विराट कोहली, रोहित शर्मा के न रहने पर ऐसा कमाल करेगी। जिस मैदान में इंग्लैंड की टीम को एशिया के किसी देश की टीम नहीं हरा पाई थी, जिस मैदान में इंग्लैंड की टीम अपराजेय थी, उस मैदान में भारतीय क्रिकेट टीम ने कमाल करेगी। किसी को उम्मीद नहीं थी कि इंग्लैंड में शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर पाएगी, पहले मैच में भारत के हारने पर लगा यही सच है कि भारतीय टीम इंग्लैंड की टीम को नहीं हरा सकती। लेकिन दूसरे मैच में भारत ने कमाल कर दिया।

"पहला मैच जीतने पर इंग्लैंड टीम व उसके कोच को घमंड हो गया कि हम भारत से बेहतरीन टीम है, हमको हमारे मैदान में भारत के लिए हराना सपने देखने जैसा है। देखा जाए तो पहले मैच में भारत ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था। दोनो पारी में भारत ने चार सौ से ज्यादा रन बनाए थे। दोनों पारी में बालिंग दूसरी पारी में अच्छी नहीं की थी, बालिंग अच्छी न कर पाने के कारण इंग्लैंड की टीम जीत गई थी। 400 रन बनाकर जीतना आसान नहीं होता लेकिन बालिंग अच्छी न हो तो यह कोई मुश्किल काम नहीं था, इंगलैंड ने 400 से ज्यादा रन बनाकर मैच जीत लिया और मान लिया कि वह भारत से अच्छी टीम है और भारत को हर मैच में इसी तरह हरा सकती है।

अच्छा तो वही टीम खेलती है जो अपनी गलतियों से सबक लेती है और वैसी गलती दोबारा नहीं करती है। दूसरे मैच में बुमराह नहीं थे टीम में, उनकी जगह आकाशदीप को मौका मिला था। आकाशदीप पर किसी को भरोसा नहीं था कि वह कुछ कर पाएगा लेकिन कप्तान शुभमन गिल को उनको भरोसा था कि उनको मौका मिला है तो वह जरूर इसका फायदा उठाएगा और ऐसा ही हुआ। कई लोगों ने दूसरी पारी में आकाशदीप को मौका देकर सिराज को मौका न देने पर शुभमन की आलोचना की थी लेकिन आखिर में सही शुभमन साबित हुए।

आकाशदीप में पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर बता दिया कि वह क्या कर सकते है। किसी मैच मे दस विकेट लेना कोई आसान काम नहीं होता है। पहली पारी में सिराज ने छह व आकाशदीप ने चार विकेट लिए थे तो दूसरी पारी में आकाशदीप ने वही काम किया। दूसरी पारी में विकेट जल्दी गिरने पर ही भारत की चमत्कारिक जीत हुई है। इंग्लैंड़ की बैटिंग लाइन को आकाशदीप ने जिस तरह तहसनहस किया वह बरसों लोगों का याद रहेगा की भारत के एक गेंदबाज के सामने किस तरह इंग्लैंड के बल्लेबाज खेल नहीं पा रहे थे और बोल्ड हो रहे थे। भारतीय गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर सके इसके लिए जमीन तो कप्तान शुभमन गिल ने तैयार कर दी थी। उन्होंने दोनों पारियों मे बेहतरीन बल्लेबाजी कर 430 रन बनाए। उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी से दूसरे बल्लेबाजों को भी प्रेरणा मिली और उन्होने भी कप्तान का पूरा साथ दिया। सभी के सहयोग से ही भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 604 रन का लक्ष्य दिया।

यह लक्ष्य इतना बड़ा था कि इंग्लैंड की टीम जीतने की जगह मैच ड्रा कराने के लिए खेलने उतरी और आकाशदीप के सटीक बालिंग के सामने टिक नहीं सकी और मात्र 271 रन बनाकर आलआउट हो गई। यह जीत चमत्कार जैसी थी, किसी को उम्मीद नहीं थी भारत जीत सकता है लेकिन भारत ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर बता दिया कि गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट के नए युग का शुरुआत हुई है, उसकी पहले मैच में हार जरूर हुई लेकिन दूसरे मैच से भारत ने साबित कर दिया है कि वह किसी टीम को हरा भी सकती है। इंग्लैंड व भारत के कप्तान की बैटिंग की तुलना की जाए तो शुभमन गिल ने एक मैच मे 430 रन बनाए हैं तो बेन स्टोक्स ने सौ रन नहीं बनाए। कप्तानी पहले मैच में शुभमन गिल ने ठीक की थी लेकिन गेंदबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम को आउट ही न कर सके। यह टीम की कमजोरी थी, कप्तान की नहीं। कप्तान शुभमन ने दूसरे मैच में पहले मैच से ज्यादा अच्छी कप्तानी की। उन्होंने खुद अच्छा खेलकर टीम को अच्छा खेलने के लिए प्रेरित किया और इसका परिणाम सबके सामने हैं। जीत का श्रेय भी शुभमन ने अपने को देने की जगह टीम को दिया है। यह एक अच्छे कप्तान की निशानी है। अच्छा कप्तान वह नहीं होता है जो खुद बहुत अच्छा खेले, अच्छा कप्तान वह होता है जो खुद अच्छा खेलकर पूरी टीम को अच्छा खेलने के लिए प्रेरित करता है।

सु-विचार

बस्तर में फैल रहा है अब विकास का उजियारा

छगन लोन्हारे, उप संचालक, जनसम्पर्क

छत्तीसगढ़, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, घने वन क्षेत्र और विविध जनजातीय समुदायों के लिए जाना जाता है, लंबे समय से नक्सलवाद की चुनौती से जूझता रहा है। बस्तर के विकास में बाधक रहे नक्सलवाद के अब यहां से नक्सल उन्मूलन की अंतिम लड़ाई जारी है। बस्तर संभाग अपनी कला एवं संस्कृति के लिए विशिष्ट पहचान रखता है अकेले बस्तर संभाग में ही हल्बी, गोड़ी, भतरी दोलरी जैसे पारंपरिक बोली, बोली जाती है। वर्षों से अशांत रहे बस्तर अंचल में ढोल और मांदर की थाप अब फिर से सुनाई देने लगेगी। मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प छत्तीसगढ़ सरकार ने लिया है। सटीक रणनीति के साथ यहां आतंक के खात्मे और सामाजिक- आर्थिक विकास के काम हो रहे हैं। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों में जिस तरह लोगों ने भागीदारी की वो इस बात का प्रमाण है की बस्तर में अब शांति स्थापित हो रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का मानना है कि ''लाल आतंक के खात्मे के लिए नक्सलियों के खिलाफहमारी निर्णायक लड़ाई जोर शोर से जारी है। इसका परिणाम है कि नक्सलियों की कमर अब टूट गई है। प्रदेश से जब तक नक्सली हिंसा और उग्रवाद का अंत नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे।''

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 जून 2025 को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए थे इस दौरान उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में आराम करने वाले नक्सली इस बरसात में चैन की नींद नहीं सो पाएंगे। सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल ऑपरेशन जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के वीर जवान कठिन चुनौतियों और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद नक्सलवाद के खात्मे के अभियान को ऐतिहासिक सफलता की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों का अद्वितीय साहस और बलिदान न केवल हमारे जवानों की कर्तव्यनिष्ठा को प्रदर्शित करता है, बल्कि पूरे देश को एक सकारात्मक संदेश भी देता है कि हमारा देश अब नक्सलवाद की बेड़ियों से मुक्त होने की ओर अग्रसर है।

छत्तीसगढ़ में बीते 21 मई 2025 को माओवादी सरगना बसव राजू के साथ अबूझमाड़ के जंगल में 26 नक्सलियों को सुरक्षा बल के जवानों के हाथों मारे जाने से नक्सलवाद की कमर टूटी है। इस पर सवा 3 करोड़ का ईनाम घोषित था। तीन दशकों में पहली बार हुआ है कि जनरल सेक्रेटरी रैंक का कोई माओवादी न्यूट्रलाइज किया गया। यह असाधरण कामयाबी है और इस बात का स्पष्ट संकेत है कि नक्सल के ताबूत में हमने अंतिम कील जड़ दिया है। इसके अलावा शीर्ष ईनामी नक्सली लक्ष्मी नरसिम्हा चालम उर्फ सुधाकर भी 05 जून 2025 को नेशनल पार्क एरिया में पुलिस मुठभेड़ में ढेर किया गया, इस पर 1 करोड़ का ईनाम था।

नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना नक्सल प्रभावित इलाकों में गेम चेन्जर्स साबित हो रही है। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों एवं ग्रामीणों को 17 विभागों की 59 हितग्राहीमूलक योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण मिलेगा।

प्रदेश में पिछले डेढ़ साल के भीतर सुरक्षाबलों ने अपनी बहादुरी से 438 नक्सलियों को मार गिराया है। साथ ही 1515 नक्सलियों को गिरफ्तार किया और 1476 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने पर विवश किया है। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारे सुरक्षा बल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन कैंपों के माध्यम से हमारी सरकार अंदरूनी गांवों तक सुरक्षा के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की पहुंच भी सुनिश्चित करने में सफल हो रहे हैं।

आखिर क्यों खास है पूर्वती गांव

सुकमा जिले के अंदरूनी व अतिसंवेदनशील क्षेत्र में बसा हुआ पूर्वती गांव एक वक्त नक्सलियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना हुआ करता था। एक करोड़ रूपए का ईनामी नक्सली हिड़मा तथा टेकलगुड़ा कैंप निर्माण के दौरान नक्सली हमले की घटना का मास्टरमाइंड देवा का यह पैतृक गांव होने के कारण हमेशा चर्चा में रहा है। माओवादियों का प्रभाव में होने के कारण पूर्वती गांव में शासन की योजनाएं नहीं पहुंच पा रही थी, लेकिन अब इस गांव में सुरक्षा कैम्प खुलने से यहां के लोगों को तेजी से मूलभूत सुविधाएं सुलभ होने लगी है।

आदिवासी बाहुल्य आबादी, अनुपम नैसर्गिक सुंदरता और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बस्तर में आज विकास का सबसे बढ़ा अवरोधक है नक्सली हिंसा। पिछले 3 दशकों में नक्सलियों ने यहां अपने पैर पसारे। बंदूक के दम पर हिंसा के साथ विकास कार्यों में बाधा पहुंचाई। नक्सलियों ने अपने झूठे, खोखले सिद्धांतों के जरिए लंबे समय तक भोले-भाले आदिवासियों को भ्रम में डाला, हिंसा का सहारा लेकर उन्हें डराने की कोशिश की। बच्चों से उनके स्कूल छीने, उनका बचपन छीना उन्हें हिंसा की राह पर धकेला। कई परिवारों को बर्बाद किया, सुहागनों की सिंदूर उजाड़े, बेटियों को अगवा किया और उन्हें भी हिंसा के रास्ते पर ले गए। इसी वजह से संसाधनों से परिपूर्ण बस्तर पर देश के सबसे पिछड़े इलाकों में एक होने का धब्बा लगा। लेकिन अब छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विकास के इस अवरोध को पूरी तरह से समाप्त करने पर डटी हुई है। बस्तर में विकास का अब नया सबेरा होने वाला है। यहां नक्सलियों की कमर टूट चुकी है। लोगों को अब खुशहाल बस्तर मिलेगा। पुलिस और सुरक्षाबलों के जवान पूरे हौंसले के साथ नक्सल मोर्चे पर डटे और अब जल्द ही नक्सलियों का समूल अंत होगा।

न्यायालय में निर्णायक मोड़ लेता श्रीकृष्ण जन्मभूमि मसला

ललित गर्ग

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के साथ दस बिंदुओं पर बिना किसी अधिकार के समझौता किया था। 13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को 'विवादित संरचना' घोषित करने की हिंदू पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में अदालती रिकॉर्ड और आगे की सभी कार्यवाहियों में मस्जिद को आधिकारिक रूप से विवादित स्थल के रूप में दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने मौखिक रूप से याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस संबंध में हिंदू पक्ष द्वारा दायर आवेदन को इस चरण में खारिज किया जा रहा है। इस फैसले को लंबे समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई में मुस्लिम पक्षकार भले ही राहतकारी माने, लेकिन न्यायिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक अस्मिता के संघर्ष में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह भूमि विवाद पर जो भी फैसला अंतिम रूप से आएगा, वह बहुत प्रभावी होगा, न्यायसंगत होगा। अतः ऐसे किसी पुख्ता फैसले तक पहुंचते हुए पूरी सावधानी एवं धैर्य से आगे बढ़ना चाहिए। इस फैसले से इस विवाद में एक नया रुख सामने आया है, जो महत्वपूर्ण और विचारणीय है।

याचिका में यह मांग की 'शाही ईदगाह मस्जिद' शब्द की जगह 'विवादित ढांचा' शब्द का इस्तेमाल किया जाए, अगर यह शाब्दिक बदलाव किया जाता, तो एक तरह से यह इस विवाद पर निर्णायक फैसले जैसा होता। जिससे अनावश्यक विवाद या अड़चन की संभावनाएं पनपती। यह विवाद राजनीति मोड़ भी ले सकता था, निश्चित ही अगर राजनीति होगी, तो अंतिम फैसले में अनावश्यक रूप से समय लगेगा। साथ ही, अशांति की आशंका भी बढ़ेगी। इसलिये अदालत के फैसले को सकारात्मक नजरिये से देखा जाना चाहिए। नए नामकरण की यह कोशिश उच्च न्यायालय में अगर नाकाम हुई है, तो कोई अचरज नहीं, ना ही किसी पक्ष की जीत और किसी पक्ष की हार है। इतने संवेदनशील मसले में यह नामकरण पूरे मुकदमे को प्रभावित करता, अतः अदालत ने समझदारीपूर्ण सही फैसला किया है। 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' का स्थान न केवल करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि भारतीय संस्कृति और इतिहास का अमिट प्रतीक भी है। परंतु, इसी पवित्र स्थल पर स्थित शाही ईदगाह मस्जिद के साथ एक लंबे समय से विवाद चला आ रहा है जो अब न्यायालय की चौखट पर निर्णायक मोड़ लेता दिखाई दे रहा है।

जन्मभूमि पक्ष के याचिकाकर्ताओं का यह दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित है, अतः जन्मभूमि पक्ष को भूमि पर कब्जा दिया जाए। मस्जिद के ढांचे को हटाया जाए, मूल मंदिर का निर्माण हो, वहां मुस्लिम मजहबी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। इन्हीं मांगों के साथ जन्मभूमि पक्ष की ओर से करीब 18 मुकदमे दायर हैं। इनकी सुनवाई यथावत जारी रहेगी। नामकरण संबंधी आवेदन के खारिज होने का कोई असर मूल मुकदमों पर नहीं पड़ेगा। अब दोनों ही पक्षों को पूरे संयम का परिचय देना चाहिए। अदालत का ताजा रुख न किसी के लिए बड़ी हार है और न किसी के लिए बड़ी जीत। महत्वपूर्ण बात यह है कि जन्मभूमि के पक्ष में दायर याचिकाओं को अदालत ने सुनने लायक माना है। पहले इन याचिकाओं को ईदगाह पक्ष ने चुनौती दी थी, पर अदालत ने चुनौतियों को खारिज कर दिया था। पिछले वर्ष 1 अगस्त को उच्च न्यायालय ने वक्फ अधिनियम, पूजा स्थल अधिनियम, 1991 और अन्य कानूनों के आधार पर ईदगाह पक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए जन्मभूमि पक्ष द्वारा दायर याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना था। अब जब सुनवाई आगे बढ़ गई है, तब ऐसी सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुस्लिम कब्जे से मुक्त हो और वहां मन्दिर के निर्माण का स्वप्न आकार ले।

हिंदू याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि मस्जिद की दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं के प्रतीक और रूपांकन अभी भी दिखाई देते हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया कि केवल अवैध रूप से भूमि पर कब्जा करने से स्वामित्व स्थापित नहीं होता है और उन्होंने अयोध्या विवाद के साथ समानताएं बताईं। अब जब नामकरण या नाम परिवर्तन की कोशिशों पर अदालत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है, तब जन्मभूमि पक्ष को छोटे-छोटे फैसले कराने की कोशिश करने के बजाय बड़े फैसले तक पहुंचने की तैयारी एवं जल्दी दिखानी चाहिए, यह विवाद जितनी जल्दी सुलझ जाए, उतना अच्छा है। श्रीराम मन्दिर-अयोध्या की तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराकर वहां भव्य मन्दिर निर्माण की ओर सारा ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। देर भले ही लगे लेकिन अदालत का फैसला श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्ष में आना है, क्योंकि इस विवाद में जन्मभूमि पक्ष में पर्याप्त दस्तावेज या सुबूत मौजूद हैं, जिनका अदालत में परीक्षण होना है। निस्संदेह, पूरे परीक्षण और विचार के बाद ही कोई फैसला आएगा। लेकिन इस फैसले की दिशाएं मथुरा को पुराणों, महाकाव्यों और ऐतिहासिक अभिलेखों में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली के रूप में वर्णित उद्धरणों एवं साक्ष्यों से स्पष्ट है। 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगज़ेब के शासनकाल में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बने मंदिर को ध्वस्त करके वहां शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया गया। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के अनुसार, यह मस्जिद मंदिर को ध्वस्त करने उसके अवशेषों पर ही बनाई गई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के साथ दस बिंदुओं पर बिना किसी अधिकार के समझौता किया था। 13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है। जब भूमि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ के नाम पर थी ही नहीं तो उसके द्वारा समझौता कैसे किया जा सकता है? 2020 में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति याचिका के माध्यम से फिर से यह मुद्दा न्यायालय में आया। याचिका में यह दावा किया गया कि 13.37 एकड़ भूमि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली है और वहां मौजूद ईदगाह मस्जिद अवैध है। साथ ही, 1951 का समझौता भी अवैध, असंवैधानिक और शून्य घोषित किए जाने की मांग की गई। 2023 से इलाहाबाद उच्च न्यायालय और मथुरा की जिला अदालतों ने इस मामले को गंभीरता से लेना शुरू किया। अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को भूमि की वैज्ञानिक जांच की अनुमति दी, जैसा श्रीरामजन्मभूमि मामले में हुआ था। अदालत ने 1951 के समझौते की वैधता पर सवाल उठाए हैं क्योंकि कटरा केशवदेव ट्रस्ट को जन्मभूमि का संप्रभु प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता था।

जन्मभूमि पक्ष की याचिकाओं को प्रारंभिक दौर में ही खारिज करने से इनकार किया गया और मुकदमे की सुनवाई की अनुमति दी गई। करोड़ों हिंदुओं की आस्था एवं ऐतिहासिकता है कि वर्तमान ईदगाह मस्जिद के नीचे श्रीकृष्ण का वास्तविक जन्मस्थान है। पुरातात्विक साक्ष्य भी मंदिर के अवशेषों की पुष्टि करते हैं। औरंगज़ेब द्वारा मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनवाने का स्पष्ट उल्लेख फारसी शिलालेखों व इतिहासकारों की रचनाओं में भी मिलता है। पूजा स्थल अधिनियम-1991 का कानून 15 अगस्त 1947 की स्थिति को बनाए रखने की बात करता है, परंतु श्रीकृष्ण जन्मभूमि एक जीवित और सतत पूजा स्थल है, और इसमें अपवाद की आवश्यकता है जैसा अयोध्या मामले में देखा गया। यह विवाद केवल एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक न्याय की मांग भी है। यह मसला न्यायपालिका से निष्पक्ष न्याय की अपेक्षा इसलिये भी करता है कि यह अधिसंख्य जनभावनाओं, ऐतिहासिक तथ्यों और धार्मिक अस्मिता से जुड़ा हुआ है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद अब केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि न्याय और आस्था के संतुलन की कसौटी बन चुका है। जैसे अयोध्या में शताब्दियों के संघर्ष के बाद न्याय की विजय हुई, वैसे ही मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि को भी न्याय की प्रतीक्षा है। न्यायालय का नया दृष्टिकोण एक आशा की किरण बनकर उभरा है, जो भविष्य में ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।०

भावपूर्ण स्त्री के तौर पर ममता को कड़े कदम उठाने चाहिए

कोलकाता के विधि महाविद्यालय प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित रूप से वरिष्ठ छात्रों द्वारा दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दक्षिण कोलकाता के इस परिसर में वह परीक्षा संबंधी प्रवेशपत्र भरने गई थी। मेडिकल जांच में सामूहिक रेप की पुष्टि होने के साथ ही एक सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार किया गया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार उसे जबरन यूनियन रूम में रोका गया और पूर्व छात्र व आपराधिक मामलों के वकील ने रेप किया।

दो अन्य छात्रों ने घटना का वीडियो भी बनाया। शिकायतकर्ता ने बताया, दोषी के विवाह प्रस्ताव को वह पूर्व में ठुकरा चुकी थी। अभियुक्तों का संबंध तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद से बताया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि शैक्षणिक संस्थाओं में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दबदबा है। मुख्य आरोपी मनोजित के खिलाफ पहले भी कई विवाद सामने आने के बावजूद उसे कॉलेज में अस्थाई नौकरी मिलने के पीछे राजनीतिक संरक्षण बताया जा रहा है।

भाजपा घटना पर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रही है जबकि उसे बीएचयू की वह घटना याद रखनी चाहिए जिसमें तमाम दबाव के बाद आरोपियों को पकड़ा गया था। तब सत्ताधारी दल ने किस राजनेता पर कार्रवाई की थी। यह खौफनाक है। विभिन्न घटनाओं के आधार पर कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि देश के शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए अति असुरक्षित हैं। तमाम नियमों व कानूनी पाबंदियों के बावजूद सामने आने वाली ये घटनाएं चुनिंदा हैं क्योंकि छात्राएं घबरा जाती हैं क्योंकि उनके शिक्षा ग्रहण करने में अड़ंगे लगने लगते हैं। सवाल छात्राओं का ही नहीं है, महिलाओं/बच्चियों की सुरक्षा को लेकर सरकारी व प्रशासनिक ढुलमुल रवैया बदल क्यों नहीं रहा।

महिलाओं के प्रति अपराध थामने के लिए किए जाने वाले प्रचार, आयोग व दीवारों पर लिखे स्लोगन काफी नहीं कहे जा सकते। राजनीति को शिक्षा से दूर रखने की बात दशकों से होती रही है। उस पर राजनेताओं के अनर्गल बयानों से पीड़िता व उसके परिवार-परिचितों को होने वाले मानसिक कष्ट की भरपाई कैसे हो सकती है। कोलकाता के मेडीकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के जघन्य रेप/हत्या के जख्म अभी ज्यों-के-त्यों हैं। ममता बनर्जी को राजनीति को हाशिए में ढकेलते हुए भावपूर्ण स्त्री के तौर पर कड़े कदम उठाने से चूकना नहीं चाहिए।

विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा

प्रह्लाद सबानानी

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है।

ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है।

ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है।

इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है।

भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है, परंतु विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आज से शुरू

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग-शहरी के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन 8 जुलाई से 22 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग-शहरी पता - पांच बिल्डिंग बाल संरक्षण गृह परिसर महिला एवं बाल विकास विभाग में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केन्द्र शीतला नगर ब वार्ड 05 मरार पारा, स्टेशन पारा केन्द्र क्रमांक 02 वार्ड 22 में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई होगा अथवा वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा। आवेदिका की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 8वीं उत्तीर्ण। अनुभवी कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता होने पर, गरीबी रेखा परिवार, अनुसूचित जाति, जनजाति परिवार की महिला होने पर तथा विधवा, परित्यक्ता अथवा तलाकशुदा महिला होने पर निर्धारित अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

जिले में अब तक 144.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2025 से 07 जुलाई 2025 तक 144.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 271.7 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 84.7 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील बोरी में 104.0 मिमी, तहसील अहिवारा में 141.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 118.6 मिमी और तहसील दुर्ग में 147.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 07 जुलाई को तहसील दुर्ग में 32.6 मिमी, तहसील धमधा में 8.3 मिमी, तहसील पाटन में 35.0 मिमी, तहसील बोरी में 16.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 12.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 36.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

भिलाई निगम को मिलेगी 5 जेसीबी, वार्डों में सड़क पाथवे व डामरीकरण के लिए 2.58 करोड़ स्वीकृत

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के प्रस्ताव को नगरीय प्रशासन व विकास विभाग से मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के प्रस्ताव से नगर पालिक निगम भिलाई को 5 नई जेसीबी बैकहो लोडर के लिए राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास ने 1 करोड़ 88 लाख की स्वीकृति दे दी है। यही नहीं क्षेत्र में सड़क निर्माण, डामरीकरण, पाथवे सहित सिवरेज लाईन नवीनीकरण के लिए 2 करोड़ 58 लाख 18 हजार रुपए भी स्वीकृत हुए हैं।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि भिलाई निगम क्षेत्र में हमेशा जेसीबी को लेकर खिंचतान होती रही है। इसलिए उन्होंने सफाई कार्य की उपयोगिता और अधिक जेसीबी की आवश्यकता अनुरूप राज्य सरकार से भिलाई निगम के लिए कम से कम 5 और जेसीबी की मांग की गई थी जिस पर नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने तत्काल स्वीकृति दी है। इसके आलावा निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में सड़क, पाथवे, डामरीकरण कार्य के लिए मंत्रीजी ने 2 करोड़ 58 लाख 18 हजार रूपये स्वीकृत किए हैं जिसके लिए श्री साव का मैं आभार व्यक्त करता हूं।

विधायक सेन ने मैनपाट में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से यह जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन एवं विकास ने 15वें वित्त आयोग अनटाईड ग्राण्ट (निर्माण कार्य)/टाईड ग्राण्ट (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) अंतर्गत निर्माण कार्य/वाहन/उपस्कर क्रय हेतु कुल 4 करोड़ 46 लाख 18 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की है।

जल्द शुरू होंगे स्वीकृत विकास कार्य

उन्होंने बताया कि भिलाई निगम अंतर्गत वार्ड 27 शास्त्री नगर में बीएम शाह अस्पताल से साक्षरता चौक तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य के लिए 44 लाख 96 हजार, गौतम नगर, श्रीराम वाटिका, गणेश मंच के आस-पास पाथवे निर्माण कार्य के लिए 49 लाख 8 हजार, लक्ष्मी नारायण नगर पटेल टाईल्स से लेकर तेज कोक कंपनी एवं पूजा दवाखाना से लेकर कादर अली के घर तक पेवर ब्लॉक कार्य के लिए 37 लाख 24 हजार रूपये, 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्र. 27 शास्त्री नगर साक्षरता चौक से तीन दर्शन मंदिर होते हुए 18 नंबर रोड तक मानिक होटल से होते हुए नेहरू चौक तक मार्ग का डामरीकरण कार्य के लिए 76 लाख 91 हजार, वार्ड क्र. 27 शास्त्री नगर अंतर्गत 19 नं. रोड से पगुंवा निवास होते हुये कबीर कुटीर तक हाईस्कुल रोड से साई नगर सुलभ तक, साई नगर सुलभ से कबीर कुटी तक एवं कबीर कुटीर से होते हुये कब्रिस्तान तक सीवरेज लाईन नवीनीकरण कार्य के लिए 49 लाख 99 हजार रूपये की स्वीकृति दी गई है।

बीएसपी के बार एवं रॉड मिल ने रचा नया मासिक कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) ने जून 2025 में अभूतपूर्व तकनीकी दक्षता एवं उत्पादन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। मिल ने जून माह में 92,110 टन का उत्पादन कर अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ जून माह का मासिक उत्पादन हासिल किया, जो 30 दिवस के किसी भी माह में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड भी रहा। उल्लेखनीय है कि इसी माह बीआरएम ने 85.89 प्रतिशत मिल यूटिलाइजेशन प्राप्त कर सर्वोच्च मासिक मिल यूटिलाइजेशन का नया कीर्तिमान भी स्थापित किया।

इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 2,64,157 टन उत्पादन कर प्रथम तिमाही के उत्पादन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया गया है।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने बीआरएम टीम को इस उपलब्धि हेतु बधाई देते हुए कर्मठता, टीम भावना और तकनीकी उत्कृष्टता की सराहना की। उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा के सर्वोच्च मानकों को निरंतर बनाए रखने पर विशेष बल दिया बीआरएम विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने इस सफलता को विभागीय समन्वय, समयबद्ध अनुरक्षण और टीम भावना का प्रतिफल बताते हुए पूरी बीआरएम बिरादरी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीआरएम टीम आने वाले समय में भी इसी समर्पण से कार्य कर संयंत्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी। उन्होंने इस उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी कर्मचारियों, यूनियनों, सहयोगी विभागों एवं प्रबंधन के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर बीआरएम विभाग के महाप्रबंधकगण एस. एन. त्रिपाठी, आशीष, शाष्वत मोहंती, समीर पाण्डेय एवं शिखर तिवारी ने भी बीआरएम सामूहिक को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मरोदा पंप हाउस में ब्रेक डाउन जलापूर्ति हुआ प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के जल प्रबंधन विभाग के मरोदा पंप हाउस में आज सुबह लगभग 8:30 बजे 1 पंप का एनआरबी का टॉप कवर फट गया, इससे हाइ प्रेशर में पानी पंप हाउस में तेजी से भरने लगा। इस पंप हाउस में पेयजल की आपूर्ति के लिए कुल 3 पंप चलते हैं। ब्रेक डाउन के तत्काल बाद शेष 2 पंप को प्रभावित होने से बचाने के लिए बंद कर दिया गया। जल आपूर्ति को सामान्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी है। मरोदा पंप हाउस से भिलाई इस्पात संयंत्र और टाउनशिप को पेयजल की आपूर्ति की जाती है। सुबह 8:30 बजे हुए ब्रेक डाउन के पूर्व टाउनशिप के अधिकांश हिस्सों में पेयजल की आपूर्ति लगभग कर दी गई थी। ब्रेक डाउन के तत्काल बाद सर्वप्रथम फटे हुए पंप के पानी को रोका गया और फायर ब्रिगेड सहित सभी संबंधित विभागों को सूचना देते हुए ज्यादा क्षति न हो इसे ध्यान में रखते हुए चल रहे अन्य पंपों को भी बंद कर दिया गया।

सम्मानित किए गए डॉक्टर, पत्रकार और समाजसेवी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंजुमन हुसैनिया खुर्सीपार की ओर से 8 मुहर्रम पर 4 जुलाई की रात किछौछा शरीफ (यूपी) से अल्लामा मौलाना सैयद आलमगीर अशरफ अशरफी उल जिलानी की तकरीर हुई। मौलाना अशरफी ने इस दौरान समाजसेवा के उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रमुख लोगों का सम्मान किया।

अंजुमन हुसैनिया के प्रमुख हुसैन अली अशरफी ने बताया कि तकरीर और दुआओं के बाद सम्मान समारोह रखा गया था। जिसमें चिकित्सा सेवा क्षेत्र से डॉ. शादाब सिद्दीकी, डॉक्टर आफ ताब रजा और डॉ. अमीन बेग, पत्रकारिता से फारुक खान और मोहम्मद फैजान खान, समाजसेवा के क्षेत्र में बीएसपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में पदस्थ जनरल मैनेजर एसएम शाहिद अहमद, हजरत बिलाल मस्जिद हुडको के सदर शाहिद अहमद रज्जन और सूफी लाइट के सैयद अशफाक अली का इस्तकबाल अल्लामा मौलाना सैयद आलमगीर अशरफ अशरफी उल जिलानी के हाथों हुआ।

जर्जर सड़क बनी दुर्घटनाओं का कारण, आमजन और छात्र-छात्राएं परेशान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं हितेश पिस्दा ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन के दौरान नगर निगम, समाज कल्याण, खाद्य विभाग एवं जिला पंचायत के अधिकारी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 80 आवेदन प्राप्त हुए।

शिवपारा वार्ड क्रमांक 38 के निवासी ने अपने क्षेत्र में व्याप्त अतिक्रमण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि वार्डवासी द्वारा उनके निवास मकान के सामने अतिक्रमण कर भैसांपुर चबूतरा का निर्माण कर लिया गया है, जहां नियमित रूप से पशु बलि जैसी गतिविधियाँ की जाती हैं। इस चबूतरे के कारण आम रास्ता बाधित हो रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में भारी असुविधा हो रही है। संकरी सड़क और धार्मिक गतिविधियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। आवेदक ने भैसांपुर चबूतरे को हटाकर किसी अन्य स्थान पर स्थापित करने के लिए आवेदन दिया। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। राजीव नगर वार्ड 04 के वार्डवासियों ने बारिश में डुबान से राहत दिलाने आवेदन दिया। राजीव नगर वार्ड क्रमांक 04 के वार्डवासियों ने बताया कि बारिश में जलभराव की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र की तीन प्रमुख नालियाँ वार्ड 02 (शिव नगर), वार्ड 04 (राजीव नगर), और वार्ड 03 (मठपारा) की निकासी का पानी नया आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्थित एक संकीर्ण नाली में मिलती हैं। यह नाली मोहल्ले की महिला के घर के बगल से होकर गुजरती है, महज 3 फीट चौड़ी है, जबकि इससे जुड़ने वाली नालियां इससे कहीं अधिक चौड़ी हैं।

बुनियादी शिक्षा की ओर एक मजबूत कदम

स्टारलाइट फाउंडेशन द्वारा 'स्तंभशाला' का बोरिगारका में शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। देशभर में प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूती देने वाले निपुण भारत मिशन की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर स्टारलाइट फाउंडेशन, जो वर्ष 2020 से बाल शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संस्था है, ने विगत दिन जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालय, बोरिगारका में अपनी पहली 'स्तंभशाला' का शुभारंभ किया। यह पहल ग्रामीण भारत में गुणवत्तापूर्ण और मूलभूत शिक्षा को बच्चों तक सुलभ कराने की दिशा में एक मील का पत्थर मानी जा रही है।

'स्तंभशाला' एक विशेष रूप से डिज़ाइन की गई कक्षा है, जो कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों की फाउंडेशनल लिट्रसी एंड न्यूमेरसी (एफएलएन) की क्षमताओं को विकसित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इस कक्षा को आधुनिक तकनीकी और शिक्षण उपकरणों से सुसज्जित किया गया है: स्मार्ट एलईडी टीवी के माध्यम से बच्चों को ऑडियो-विजुअल माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। रिच प्रिंट स्टडी मैटेरियल, चार्ट्स, चित्रात्मक पुस्तकों और कार्यपुस्तिकाओं से बच्चों की पढ़ाई को रोचक और प्रभावशाली बनाया गया है। फन लर्निंग एक्टिविटी किट और शैक्षिक खिलौनों के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि चौधरी ने कहा कि स्तंभशाला जैसी पहल देश की बुनियादी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। यह समय की आवश्यकता है कि हम बच्चों को उनकी प्रारंभिक शिक्षा में सशक्त बनाएं। निपुण भारत मिशन का उद्देश्य भी यही है कि 2026 तक हर बच्चा कक्षा 3 के अंत तक पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणितीय कौशल में निपुण हो। संस्था के अध्यक्ष प्रतीक ठाकरे ने बताया कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की सहायता से एक विशेष पाठ्यक्रम भी तैयार किया गया है।

यह पाठ्यक्रम बच्चों की सीखने की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुरूप अनुकूलित है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य शिक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक आनंदमयी अनुभव बनाना है। स्तंभशाला के माध्यम से हम बच्चों के अंदर सीखने की जिज्ञासा जगाने का प्रयास कर रहे हैं। यह हमारी पहली कक्षा है, और आने वाले महीनों में हम अन्य स्कूलों में भी इस मॉडल को लागू करेंगे। टीम सदस्य अनुराग शर्मा ने बताया कि संस्था पिछले 2.5 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है, और अब वह दुर्ग जिले के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ में अपने प्रयासों का विस्तार करने की योजना बना रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के कक्षा 1 से 5 तक के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसमें देशभक्ति गीत, कविता पाठ और समूह नृत्य प्रमुख रहे। यह आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनके उज्जवल भविष्य की ओर प्रेरित करने का एक सराहनीय प्रयास रहा। भारत सरकार द्वारा 5 जुलाई 2021 को शुरू किया गया निपुण भारत (नेशनल इनिशिएटिव फॉर प्रोफ़िशिएन्सी इन रीडिंग विथ अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरसी) एक प्रमुख शैक्षिक अभियान है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

पार्षद एवं एमआईसी सदस्य ने सफाई व कचरा उठाव का किया निरीक्षण

रायपुर। बरसते पानी में रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 4 के अंतर्गत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 के कटोरा तालाब की गलियों में वार्ड पार्षद एवं निगम एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर के साथ निकले और गलियों की सफाई कामगारों द्वारा सफाई और बरसते पानी में कचरे के उठाव के अभियान का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और वार्ड की सफाई के सम्बन्ध में जोन स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए।

लोधी क्षत्रिय समाज के राजेन्द्र बने अध्यक्ष व सविता महिला अध्यक्ष

रायपुर। लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर के अधीनस्थ सर्किल स्टेशन लोधीपारा पं. क्रं.2066 में मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमान कृष्ण कुमार सिंगौर एवं पर्यवेक्षक बंधु जंघेल और योगेश जंघेल की उपस्थिति में 6 जुलाई को पालकी रेस्टोरेंट स्टेशन लोधीपारा में निर्वाचन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें महिला एवं पुरूष पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया गया। निर्वाचन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र भी दिया गया। सर्किल अध्यक्ष राजेन्द्र जंघेल, उपाध्यक्ष बाल मुकुंद चंदेल, सचिव सतीश जंघेल, कोषाध्यक्ष प्रकाश जंघेल एवं संयुक्त सचिव मधुसूदन जंघेल चुनें गए।

इसी प्रकार सर्किल में महिला पदाधिकारी में सर्किल अध्यक्ष श्रीमती सविता जंघेल, उपाध्यक्ष श्रीमती नीता जंघेल, सचिव श्रीमती पम्पा चंदेल, कोषाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या जंघेल, संयुक्त सचिव श्रीमती लक्ष्मी जंघेल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन कार्यक्रम में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अधीन जंघेल ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देकर कहा कि समाज के सभी सदस्य गण समाज सेवा एवं अन्य सेवाओं के माध्यम समाज को आगे बढ़ने के उद्देश्य से अपना अपना योगदान दे रहें है। आशा है कि नवनिर्वाचित सदस्यगण सभी का सहयोग लेकर स्टेशन लोधीपारा सर्किल को एक आदर्श सर्किल एवं स्वस्थ समाज बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

धारा 370 की समाप्ति से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना साकारः बृजमोहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पुष्पांजलि कार्यक्रम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांसुमन अर्पित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35ए समाप्त कर के डॉ मुखर्जी के सपने को साकार करने का उल्लेखनीय कार्य किया है।

डॉ. मुखर्जी भारत को जिस स्वरूप देखना चाहते थे मोदी जी ने उन्हें समर्पित किया है। जब से जनसंघ बना और भाजपा तक लंबा सफ़र चला । भाजपा का यही संकल्प रहा की जम्मू- कश्मीर से धारा 370 हटाया जाय। और मोदी सरकार ने उसे कर दिखाया। देश की जनता ने भाजपा को इसी बात के लिए जनादेश दिया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उस जनादेश के पालन किया। अब तो भारत इस यह देख रहा है की कब पीओके भी भारत में शामिल हो जा । इस आशय का उद्घोष भी देश के रक्षामंत्री राजनाथ के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत हो चुका है । और भारत पीओके लेकर रहेगा । तब जाकर डॉ. मुखर्जी जी को पूर्ण श्रद्धांजलि समर्पित होगी ।

भाजपा कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की जयंती पर अपने संबोधन में रायपुर भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कहा की आजाद भारत के पहले शहीद थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी। जिन्होंने देश की लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए, नेहरू के तुष्टिकारण नीति का विरोध करते हुए बिना परमिट के कश्मीर घाटी में जनसंघ के कार्यकर्ताओं व देशवासियों के साथ प्रवेश किया। रावी नदी के तट पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला ने डॉ मुखर्जी को गिरफ़्तार करने का हुकुम सुना दिया। चूँकि उस समय कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी जिसका विरोध डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कर रहे थे । और उन्होंने बिना परमिट के कश्मीर में प्रवेश का निर्णय किया परिणाम स्वरूप उनकी गिफ्तारी हुई और उन्हें अज्ञात स्थान पर कैद कर दिया गया जिसकी जानकारी अब्दुल्ला और नेहरू के अलावा किसी को नहीं थी । कुछ ही दिनों पश्चात असामान्य परिस्थितियों में उनका निधन हो गया । डॉ. मुखर्जी प्रख्यात शिक्षाविद, बैरिस्टर और कोलकाता विश्वविद्यालय के उपकुलपति थे । नेहरू मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री थे इसके बावजूद उन्होंने राष्ट्रवाद का राह चुना। नेहरू मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया और राष्ट्र के लिए स्वयं को कुर्बान कर दिया । इस लिए देश उन्हें आजाद भारत के पहले शहीद के रूप में सम्मान देता हैं।

रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा की अखंड भारत के प्रणेता थे श्यामाप्रसाद जी जिनके पदचिह्नों पर चलकर भाजपा का हर कार्यकर्ता गौरवान्वित है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए ही नहीं अपितु डॉ. मुखर्जी पूरे देश के महामना हैं जिन्होंने अपना सुख अपना नाम अपना पद नहीं देख। उन्होंने देश प्रथम का मार्ग चुना जिस पर आज केंद्र की सरकार भी चल रही है, राज्य सरकार भी चल रही है और भाजपा का संगठन भी उनके बताये राह पर चलता है । राष्ट्र प्रथम की अवधारणा डॉ मुखर्जी से ही जागृत हुई थी जिसे तात्कालिक जनसंघ और आज भाजपा का नेतृत्व आगे बढ़ा रहा है। सशक्त राष्ट्र समृद्ध राष्ट्र डॉ. मुखर्जी का यह संकल्प 2047 तक सिद्धि प्राप्त कर लेगा, और भारत विकसित भारत बन जायेगा। भाजपा नेताओं ने शानदार चौक स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भव्य प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी । सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, छगनलाल मूंदड़ा,अवतार सिंह बगल, सुभाष अग्रवाल ने पुष्पांजलि दी।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सत्यम दुवा एवं आभार जिला उपाध्यक्ष श्यामा चक्रवर्ती ने किया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा,छगन मूंदड़ा, सूर्यकांत राठौड़ जयंती पटेल, नलिनिश ठोकने श्रीमती चन्नी वर्मा ,सुरेंद्र पाटनी प्रकाश बजाज, अंजय शुक्ला, महेंद्र खोडियार, अमर गिदवानी मृत्युंजय दुबे, चैतन्य टावरी, गोपी साहू, अकबर अली, मनीषस चंद्राकर, सोनू सलूजा, रमेश मिर्घानी जितेंद्र गंडेचा, दलविंदर बेदी, राम प्रजापति, संतोष सोनी, अभिषेक तिवारी,राजू राघवानी सतीश छुगानी, विशाल भूरा, रोहित भारद्वाज, अनूप खेलकर, विलास सुतार, भारती बगल,सुरेंद्र सोलंकी, दीपक तन्ना, कान्हा सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे।

प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां शुरू, बैठक में बनी कार्यक्रम की रूपरेखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन प्रातः 9 बजे से होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा।समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम में भाग लेने वाली टूकड़ियों के निर्धारण एवं रिहर्सल हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा पुलिस महानिदेशक के मार्ग दर्शन में सभी तैयारियां एवं व्यवस्था की जाएगी।

इसी तरह से यातायात, पार्किंग, ट्रैफिक-सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई की व्यवस्था तथा मंच/पंडाल व्यवस्था और बैठक व्यवस्था का निर्धारण आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के द्वारा की जाएगी। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण स्कूल शिक्षा विभाग तथा सांस्कृतिक विभाग द्वारा किया जाएगा। जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित किए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के निर्धारण के संबंध में शीघ्र ही निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। इसी तरह से स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में अन्य विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

बैठक में राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा चंपावत, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. रवि मित्तल सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

हाईकोर्ट से एनआरडीए को झटका जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) द्वारा की गई जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि नई जमीन अधिग्रहण कानून के तहत तय समय सीमा में मुआवजे का अवार्ड जारी नहीं किया गया, इसलिए पूरी कार्रवाई अमान्य हो जाती है। मामला रायपुर जिले के निमोरा और नवागांव गांव के एक किसान का है।

किसान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया कि उसकी जमीन पुराने कानून, 1894 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत अधिग्रहित की गई थी। उस समय धारा 6 के तहत अधिसूचना जारी की गई थी। लेकिन 1 जनवरी 2014 से नया कानून- भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता कानून, 2013 लागू हो गया।

नए कानून की धारा 25 के अनुसार, धारा 19 (जो पुराने कानून की धारा 6 के बराबर है) के तहत अधिसूचना जारी होने के एक साल के भीतर मुआवजे का अवार्ड जारी करना अनिवार्य है। लेकिन एनआरडीए ने यह अवार्ड तय समय सीमा के बाद जारी किया, जो नियमों के खिलाफ है। इसी आधार पर किसान ने कोर्ट में इसे चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार और एनआरडीए से जवाब मांगा। जवाब मिलने के बाद अंतिम सुनवाई में कोर्ट ने साफ कहा कि मुआवजे का अवार्ड तय समय सीमा में जारी नहीं हुआ, इसलिए पूरी अधिग्रहण प्रक्रिया अमान्य मानी जाएगी। फैसले में कोर्ट ने न केवल मुआवजे का अवार्ड रद्द किया, बल्कि पूरी अधिग्रहण प्रक्रिया को भी अवैध घोषित कर दिया। साथ ही, याचिकाकर्ता को जो मुआवजा मिला था, वह रकम एनआरडीए को लौटाने का आदेश भी कोर्ट ने दिया है।

अलग-अलग मामलों में नगर निगम रायपुर ने लगाया जुर्माना, पहली बार दी चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर। नगर निगम एक्ट की धाराओं के तहत अलग-अलग मामले में जुर्माने की रकम तय कर दी गई है। इसकी जानकारी आम नागरिकों को नहीं है। इस पर अब नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी जोन स्तर पर नियमों के साथ ही इसका उल्लंघन करने पर क्या दंड मिलेगा, इसका भी प्रचार करेंगे। निगम में पिछले एक महीने से लागू ई-चालान सिस्टम और उससे हुई वसूली पर महापौर मीनल चौबे ने स्पष्ट कर दिया कि निगम के राजस्व में वृद्धि जरूरी है, लेकिन इसके लिए आम नागरिक अधिक परेशान न हों। पहले नियमों की जानकारी नागरिकों को देते हुए पहली बार चेतावनी दें, इसके बाद समझाइश, फिर जुर्माना लगाने की कार्रवाई करें। नियमों की जानकारी पहले जनता को दें, उसके बाद ही अर्थदंड की कार्रवाई करें। इसके लिए निगम का राजस्व अमला और नगर निवेश विभाग अब तैयारी शुरू करेगा।

नगर निवेश अधिकारी के मुताबिक सम्पूर्ण निगम सीमा क्षेत्र में विज्ञापन की नीति है कि बिना लिखित अनुमति के नगर निगम सीमा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक, निजी संपत्ति, दीवार, वाहन, ढांचे आदि पर कोई भी प्रचार सामग्री नहीं लगा सकता। केवल पंजीकृत विज्ञापन एजेंसियों को ही इसकी अनुमति नियमानुसार दी जाती है। निजी संपत्ति पर लाइसेंस की अवधि एक वर्ष होती है। सार्वजनिक संपत्ति पर टेण्डर के नियमों के अनुसार लाइसेंस अवधि होती है। अस्थायी विज्ञापन हेतु एक माह की अवधि होती है। जिसमें मासिक नवीनीकरण संभव है। वहीं निजी संपत्ति पर एक वर्ष की लाइसेंस अवधि नवीनीकरण योग्य होती है। निगम के नगर निवेश विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अनाधिकृत प्रचार पर 50 हजार रुपये से 1 लाख तक का जुर्माना करने तथा 10 हजार रुपये तक हटाने का शुल्क लिया जाएगा। अब सवाल ये उठता है कि क्या ये जुर्माना राजनीतिक पार्टियों के नेताओं से भी वसूले जाएंगे? क्योंकि राजधानी रायपुर में सबसे ज्यादा अवैध होर्डिंग विभिन्न पार्टियों के नेताओं की नजर आती है।

ग्रामीण व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में BSNL सेवा विस्तार

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में बीएसएनएल द्वारा दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता रायपुर लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने की। बैठक के दौरान बीएसएनएल द्वारा उपभोक्ताओं को दी जा रही वर्तमान सेवाओं, भविष्य की योजनाओं और नेटवर्क विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बीएसएनएल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने में कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में भी नेटवर्क को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

सांसद ने सरकारी संस्थाओं और कार्यालयों में बीएसएनएल की सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कही तथा 5 फीसदी सेवाओं के त्वरित विस्तार पर बल दिया। उन्होंने बीएसएनएल को अपने उत्पादों व सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार और प्रभावी मार्केटिंग करने की भी सलाह दी, जिससे अधिकाधिक लोग जुड़ सकें। बैठक में बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक टीके मरकाम ने सांसद को बीएसएनएल की 4 फीसदी सेवाओं, नेटवर्क विस्तार और नई पहलों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित ऐसे गाँव जहाँ अन्य कोई सेवा प्रदाता नहीं पहुँच पाया है, वहाँ बीएसएनएल ने 4 फीसदी सेवाएँ प्रारंभ की हैं। साथ ही समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 700 से अधिक स्कूलों को फाइबर कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। मरकाम ने यह भी जानकारी दी कि भारत सरकार की एक्सटेंडेड भारतनेट योजना के अंतर्गत देशभर में 1.5 करोड़ भारत फाइबर कनेक्शन स्थापित किए जाएंगे। इस दिशा में सांसद द्वारा दिए जा रहे सहयोग हेतु उन्होंने आभार व्यक्त किया।

रायपुर के अंजनेय यूनिवर्सिटी में रंगरेज सीजन-11 का आयोजन, सांसद अग्रवाल हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर की प्रतिष्ठित अंजनेय यूनिवर्सिटी में एक भव्य और रचनात्मक आयोजन रंगरेज सीजन 11 के रूप में संपन्न हुआ। इस रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन ख्व स्नरू द्वारा किया गया था, जिसमें शहर के युवाओं ने अपनी कला, प्रतिभा और उत्साह से समां बांध दिया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं से संवाद कर न केवल उन्हें प्रोत्साहित किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामूहिक ऊर्जा की खुले दिल से सराहना की।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में सांस्कृतिक धुनों और पारंपरिक स्वागत के साथ हुई। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे छात्रों की भागीदारी और मंच पर प्रस्तुत गतिविधियों ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। छात्रों ने नृत्य, गायन, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, पेंटिंग, और अन्य विविध कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर किया।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा रंगरेज जैसे मंच युवाओं को रचनात्मक तरीके से आत्म-अभिव्यक्ति करने का अवसर प्रदान करते हैं। यह सिर्फएक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास, सामाजिक समर्पण और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए ख्व स्नरू की टीम, विश्वविद्यालय प्रबंधन और आयोजकों को बधाई दी और कहा कि युवाओं का यह जोश और समर्पण भविष्य के सशक्त भारत की तस्वीर पेश करता है। सांसद ने यह भी कहा कि समाज के निर्माण में रचनात्मकता और संवेदनशीलता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, और ऐसे आयोजन युवाओं में यह भाव जगाने का काम करते हैं।

आयोजन की खास बातें: स्थल: अंजनेय यूनिवर्सिटी, रायपुर आयोजक: ख्व स्नरू मुख्य अतिथि: सांसद बृजमोहन अग्रवाल प्रस्तुतियाँ: चित्रकला, स्टेज परफॉर्मेंस, डांस, सिंगिंग, नुक्कड़ नाटक, स्लोगन राइटिंग, फेस पेंटिंग उद्देश्य: युवाओं की प्रतिभा को मंच देना, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना का विकास कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया, सामाजिक समरसता जैसे गंभीर विषयों पर भी अपने प्रस्तुतियों के माध्यम से संदेश दिए। एक नुक्कड़ नाटक में छात्र-छात्राओं ने बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाते हुए प्रभावशाली अभिनय किया, जिसने उपस्थित दर्शकों को भावुक कर दिया। ख्व स्नरू के अधिकारियों ने बताया कि रंगरेज का यह 11वां संस्करण है और यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य युवाओं को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे अपनी कलात्मक क्षमताओं को खुलकर प्रदर्शित कर सकें।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की सोच के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने भी कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी आयोजकों, प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन न सिर्फ छात्रों के लिए एक यादगार अनुभव रहा, बल्कि यह रायपुर शहर के सांस्कृतिक जीवन में भी एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में जुड़ गया। रंगरेज सीजन 11 ने यह साबित कर दिया कि जब युवाओं को सही मंच और दिशा मिलती है, तो वे रचनात्मकता की नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने लाल रंग में खींचा सबका ध्यान

नुसरत भरुचा जबकि उनकी आखिरी बार बड़े पर्दे पर 2023 में छत्रपति की रीमेक में बेलमकोंडा श्रीनिवास के साथ नजर आईं थीं, नुसरत भरुचा पीछे हटने से बहुत दूर हैं। अभिनेत्री लगातार लोगों की नजरों में बनी हुई हैं - लगातार दिखने के जरिए नहीं, बल्कि सावधानी से चुने गए पलों के जरिए जो उनकी उभरती हुई छवि और पेशेवर विकल्पों को दर्शाते हैं।

उनका नवीनतम लुक - नरम सफेद लेस से सजी एक बोल्ड लाल पोशाक - हाल ही में सभी सही कारणों से सोशल मीडिया पर छा गई। कम से कम मेकअप, साफ-सुथरी हेयरस्टाइल और अपने सिग्नेचर रेड लिप के साथ, नुसरत ने एक बार फिर संयमित लेकिन प्रभावशाली स्टाइल के लिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चाहे वह एक जीवंत मिनी ड्रेस हो या अधिक तरल सिल्हूट, वह लगातार ऐसे लुक पेश करती हैं जो प्रामाणिक लगते हैं, कभी भी अतिरंजित नहीं होते - हमेशा उनके अपने व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होते हैं।

जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह सिर्फ उनका पहनावा नहीं है, बल्कि इंडस्ट्री में अपनी मौजूदगी के लिए उनका जानबूझकर अपनाया गया दृष्टिकोण है। अपने कई समकालीनों के विपरीत, नुसरत हर जगह मौजूद होने पर निर्भर नहीं रहती हैं। इसके बजाय, वह रणनीतिक हैं - अपने काम और कुछ अच्छी तरह से पोस्ट की गई तस्वीरों से बात करती हैं।

इस साल, वह छोरी 2 में वापसी करने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होने की उम्मीद है। समीक्षकों द्वारा सराही गई हॉरर ड्रामा की अगली कड़ी कंटेंट-संचालित, विविध भूमिकाएँ चुनने की उनकी यात्रा में एक और कदम है। चुपचाप लेकिन आत्मविश्वास से, नुसरत भरुचा अपने लिए जगह बना रही हैं - शोर से नहीं, बल्कि बारीकियों से। वह फीकी नहीं पड़ रही हैं; वह बस अपनी शर्तों पर आगे बढ़ रही हैं।

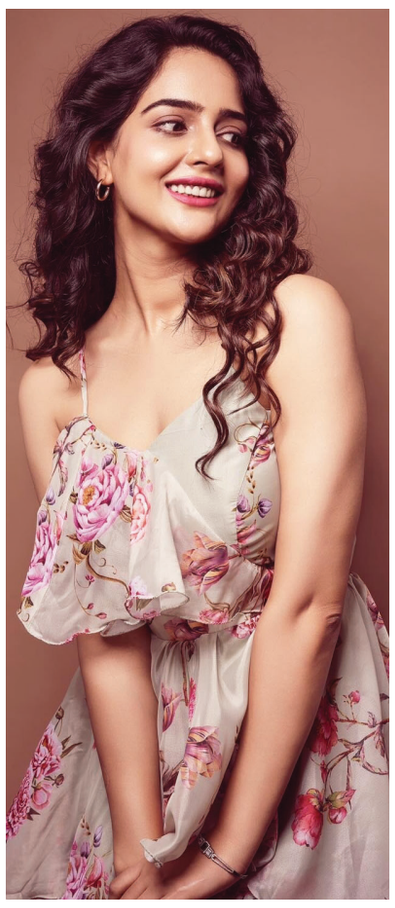

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपनी पसंदीदा परंपराओं में से एक का खुलासा किया है जो उन्हें व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी जमीन से जुड़े रखती है। एक स्पष्ट बातचीत में प्रियंका ने बताया कि हर रविवार की सुबह, वह और उनका परिवार एक अनुष्ठान के लिए समय निकालते हैं, जिसे वह अनिवार्य बताती हैं। 'हेड्स ऑफ स्टेट' की अभिनेत्री ने पीपल पत्रिका को बताया, रविवार की सुबह बिस्तर पर लेटना, उन्होंने आगे कहा, ऐसा होना ही है। यह अनिवार्य है।

अपनी व्यस्त कार्य प्रतिबद्धताओं के बावजूद, अभिनेत्री यह सुनिश्चित करती हैं कि परिवार के साथ बिताया गया यह अंतरंग समय कभी न छूटे। सुबह के सात बजे थे, लेकिन हम अंदर आ गए, उन्होंने अपने पति निक जोनास और उनकी 3 साल की बेटी माल्टी मैरी के साथ बिताए गए यादगार पलों के बारे में बात करते हुए कहा।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सबसे अधिक शांति किस बात से मिलती है, तो प्रियंका ने कहा, अपने परिवार के साथ घर पर रहना... हमारे जीवन की सबसे बड़ी विलासिता यह है कि हम साथ में समय बिता सकें या साथ में समय बिता सकें और बस उसमें मस्त रह सकें तथा कहीं जाने की चिंता न करें।

उन्होंने शांत क्षणों के प्रति अपने प्रेम का वर्णन किया, जिसमें शांति के उन दुर्लभ क्षणों के दौरान तनाव मुक्त होने का दोषपूर्ण आनंद भी शामिल है।उन्होंने कहा, वह एक घंटा आपको मिल सकता है जब घर में शांति हो और आप एक ग्लास वाइन के साथ लव आइलैंड का नया सीजन देख सकें या शायद कोई किताब पढ़ सकें, जबकि मुझे अपनी स्क्रिप्ट पढ़नी चाहिए। यह बताते हुए कि खाली समय उनके लिए कितना महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा। लेकिन

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनास और बेटी मालती के साथ 'अनिवार्य' स्नगल परंपरा का किया खुलासा

प्रियंका सिर्फ सुबह की शांति को ही महत्व नहीं देतीं। उन्होंने अपने घर की एक मज़ेदार लेकिन प्रासंगिक परंपरा के बारे में भी बताया, वह है आधी रात को नाश्ता करना।उन्होंने पीपल पत्रिका के साथ बातचीत में स्वीकार किया, मैं रात में फ्रिज में बहुत सारा खाना खाती हूं। मैं ऐसी ही व्यक्ति हूं. बहुत ज्यादा स्नैक्स खाती हूं। हालाँकि, देर रात के नाश्ते के लिए उनका एक रणनीतिक दृष्टिकोण है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहती हूँ कि जब सब लोग फ़िल्म देखने में व्यस्त हों, तब मैं नाश्ता कर सकूँ, क्योंकि आप फ़िल्म देखने के बाद ऐसा नहीं कर सकते। अगर आप फ़िल्म देखने के बाद ऐसा करते हैं, तो आप पर बहुत ज़्यादा ध्यान दिया जाता है, 'आप क्या खा रहे हैं?' और फिर हर कोई खाना चाहता है और यह भोजन बन जाता है और फिर मैं भोजन को गर्म करती हूँ। आपको फ़िल्म के एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्से के दौरान चुपके से बाहर निकलना पड़ता है। इसलिए मैं यही करती हूँ, उन्होंने कहा।

प्रियंका, जो वर्तमान में एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' में अभिनय कर रही हैं, अपने करियर और पारिवारिक जीवन में सहजता से संतुलन बनाए रखती हैं। फिल्म में वह एमआई6 एजेंट की भूमिका निभा रही हैं, उनके साथ जॉन सीना (जो अमेरिकी राष्ट्रपति की भूमिका निभा रहे हैं) और इदरीस एल्बा (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री) की भूमिका निभा रहे हैं। इल्या नाइशुलर द्वारा निर्देशित यह फिल्म, जिसमें जैक क्वैड, सारा नाइल्स और कार्ला गुगिनो भी हैं, अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

जेन्मा नचतिरम का सफर मेरी जिंदगी का खूबसूरत चैप्टर : मालवी मल्होत्रा

एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा अपनी नई फिल्म जेन्मा नचतिरम के साथ हॉरर-थ्रिलर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाने जा रही हैं। एक्ट्रेस मालवी ने हाल ही में बताया कि आखिर यह फिल्म उनके लिए इतनी खास क्यों है? उन्होंने इस फिल्म के सफर को अपनी जिंदगी का खास चैप्टर करार दिया।

मालवी ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमेशा की तरह, मैंने इसमें बहुत मेहनत की है और अपने प्रदर्शन में पूरी कोशिश की है। भगवान की कृपा से यह एक शानदार महिला-केंद्रित फिल्म है और मुझे इसमें मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला है, इसके लिए मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।

उन्होंने आगे कहा, यह एक रोचक हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें प्यार की कहानी भी है। मैं कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। बस इतना कह सकती हूं कि जब यह फिल्म जल्दी ही सिनेमा हॉल में आएगी, तो हर कोई इसे देखकर एन्जॉय करेगा। मैं अपने निर्देशक बी. मणिवर्मन की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस फिल्म में मौका दिया। मैं बहुत उत्साहित हूं और फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

तमिल फिल्म जेन्मा नचतिरम में मालवी मल्होत्रा के अलावा, तमन आकाश, मैत्रेय, रक्षा चेरिन, शिवम, अरुण कार्थी, काली वेंकट, मुनीशकांत, वेलारामामूर्ति, थलाइवासल विजय, संथाना भारती, बॉयज़ राजन, नकालिते निवेदिता और यासर भी मुख्य भूमिका में हैं।यह थ्रिलर फिल्म सुभाषिनी के. ने अमोहम स्टूडियो और व्हाइट लैंप पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाई है। इस फिल्म का निर्देशन बी. मणिवर्मन ने किया है।

5 जून को फिल्म के निर्माता ने सोशल मीडिया पर इसका टीजर रिलीज किया, जिसकी शुरुआत एक लाइन से होती है, जहरीले पौधों को बढ़ने के लिए सबसे साफ पानी की जरूरत होती है।फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक मणिवर्मन ने कहा, जैसे पुराने समय की मशहूर हॉरर थ्रिलर फिल्में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनती थीं, हमारी फिल्म जेन्मा नचतिरम भी ऐसी ही होगी। हालांकि, इस फिल्म का नाम पुरानी हॉरर फिल्म से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह से एक नई कहानी है। दर्शक थिएटर में फिल्म देखकर डर को महसूस करेंगे।

येलो प्रिंटेड मिनी ड्रेस में मोनालिसा का चिल मोड ऑन, खूबसूरत वादियों के बीच शेयर की तस्वीरें

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वो येलो एंड व्हाइट प्रिंटेड मिनी ड्रेस में नजर आ रही हैं। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और बैकग्राउंड में नेचुरल हरियाली के बीच मोनालिसा का यह लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। मोनालिसा ने इस पोस्ट में लिखा, अपनी आत्मा को खुश करने के लिए समय निकालें और वाकई उनके चेहरे की स्माइल और सुकून इस कैप्शन को परफेक्टली जस्टिफाई कर रही है। उनकी यह ड्रेस ब्रांड आशीरा फलती-फूलती रहो की है, जिसे उन्होंने खासतौर पर इस आउटडोर शूट के लिए चुना।

तस्वीरों में मोनालिसा नदी के किनारे बने रिज़ॉर्ट के बालकनी में खड़ी नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर संतुष्टि और शांति की झलक साफ दिखाई दे रही है। उनका ये फ्रेश और ब्राइट लुक फैंस के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। पोस्ट पर अब तक हजारों लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स आ चुके हैं, जहां फैन्स उन्हें सनशाइन क्वीन, स्ट्रॉन्ग एंड स्टनिंग और क्वीन ऑफ सोशल मीडिया जैसे टैग्स दे रहे हैं। मोनालिसा की यह तस्वीरें ना सिर्फ फैशन स्टेटमेंट हैं बल्कि एक पॉजिटिव और सुकून देने वाला मैसेज भी देती हैं- खुद के लिए वक्त निकालना जरूरी है।

अपूर्वा मुखीजा ने 41 करोड़ नेटवर्थ की खबर को किया खारिज

लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर और द ट्रेटर्स की प्रतियोगी अपूर्वा मुखीजा, जिन्हें ऑनलाइन द रिबेल किड के नाम से जाना जाता है, ने वायरल रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें दावा किया गया है कि उनकी कुल संपत्ति 41 करोड़ रुपये है।

अपने एक हालिया इंटरव्यू में, अपूर्वा ने दावों को खारिज कर दिया और अपनी वास्तविक कमाई पर एक रियलिटी चेक दिया। बॉलीवुड बबल के साथ एक स्पष्ट बातचीत के दौरान, अपूर्वा ने कहा, मैं हर जगह हूँ, लेकिन मेरी कुल संपत्ति 41 करोड़ के करीब भी नहीं है। मैं इसका दसवां हिस्सा भी नहीं कमा रही हूँ, उन्होंने कहा कि उनकी माँ भी इन रिपोर्टों से हैरान हैं। मेरी माँ ने मुझे एक स्क्रीनशॉट भेजा और पूछा, 'कहाँ है ये सारे पैसे? हम घर क्यों नहीं खरीद रहे हैं?' मैंने उनसे पूछा कि क्या वह ठीक हैं। नहीं है हमारे पास इतने सारे पैसे, अपूर्वा ने साझा किया।

अपने हास्य और सच्ची ईमानदारी के लिए जानी जाने वाली अपूर्वा ने पीछे नहीं हटे। कोई भी ब्रांड मुझे वह पैसा नहीं दे रहा है जो मैं चाहती हूँ। कोई भी मेरी दरों पर सहमत नहीं है। अगर किसी रैंडम पब्लिकेशन ने कहीं से भी मेरी नेटवर्थ के रूप में 41 करोड़ लिख दिया है तो मुझे क्या परवाह है। लोग क्या सोचते हैं? बातचीत के दौरान अपने पहनावे की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने मज़ाक में कहा, ये कपड़े किराए के हैं, मुझे इन्हें इसके तुरंत बाद वापस करना होगा। मेरी एड़ियों को देखो, वे बहुत गंदे हैं, मैंने उन्हें कई दिनों से साफ़ नहीं किया है।

मेरे नाखून नकली हैं, घड़ी की कीमत 20,000 रुपये है, और यह मेरी सबसे महंगी चीज़ है। लेकिन 41 करोड़ रुपये पागलपन है। जिस क्षण मैं 10 करोड़ रुपये कमा लूँगा, मैं रिटायर हो जाऊँगा। कोई मुझे वहाँ ले जाए। मुझे पैसे दो। शुक्रवार (4 जुलाई) को, अपूर्वा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट को फिर से शेयर किया, जिसमें दावा किया गया था कि वह प्रतिदिन 2.5 लाख रुपये कमाती है और एक रील विज्ञापन के लिए 6 लाख रुपये और एक इंस्टाग्राम स्टोरी के लिए 2 लाख रुपये तक चार्ज करती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने लिखा, गलत है भाई?

शुरू होने वाला है सावन का महीना, सोमवार के व्रत के दौरान खाएं ये 5 व्यंजन

सावन हिंदू पंचांग का एक पवित्र महीना है, जिसे श्रावण भी कहते हैं। यह महीना भगवान शिव को समर्पित होता है, जिसके हर सोमवार को लोग उपवास रखते हैं। इस दौरान भोले बाबा और माता पार्वती की पूजा करने से उनका आशीर्वाद मिलता है और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस साल सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त को समाप्त होगा। अगर आप भी सावन के सोमवार का व्रत करते हैं तो ये व्यंजन खाएं।

कुट्टू के आटे का चीला

कुट्टू के आटे के चीले की रेसिपी की शुरुआत करने के लिए एक कटोरे में जीरा, कुट्टू का आटा, हरी मिर्च, सेंधा नमक और पानी मिलाएं। एक पैन पर घी डालें और तैयार बैटर को चिमचे की मदद से फैलाएं। जब चीला तैयार हो जाए तो उसपर घिसा हुआ पनीर, सेंधा नमक और अदरक डालकर परोसें। इसके साथ आप इमली की चटनी खा सकते हैं, जिसे इमली, पानी, अदरक का पाउडर, लाल मिर्च और चीनी मिलाकर तैयार किया जाता है।

पनीर की व्रत वाली सब्जी

आप व्रत करते समय भी पनीर की सब्जी खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालकर भून लें। इसके बाद इसमें अदरक डालकर पका लें। मुट्ठीभर काजू लेकर उन्हें गर्म पानी में भिगोएं और फिर पीसकर उनका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कढ़ाई में डालकर पकाएं। इसमें ताजी मलाई, काली मिर्च का पाउडर, सेंधा नमक, गर्म दूध और पनीर के टुकड़े डालकर पकाएं और परोसें।

सिंघाड़े के आटे का हलवा

अगर आप उपवास करते समय कुछ मीठा खाना चाहते हैं तो एक बार सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाकर देखें। इसके लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में घी डालें और उसमें सिंघाड़े का आटा डालकर भून लें। इसे तब तक भूनें जब तक इसका रंग हल्का भूरा न हो जाए। अब इसमें दूध और चीनी डालकर धीमी आंच पर पकने दें। जब हलवा गाढ़ा होने लगे तब उसमें इलायची पाउडर डालकर गर्मा-गर्म परोस लें।

कुट्टू के आटे के समोसे

सबसे पहले एक कटोरे में कुट्टू का आटा, देसी घी और सेंधा नमक मिलाएं। इसके बाद इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। अब एक कटोरे में उबले हुए आलू, सेंधा नमक, हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर, धनिया और पनीर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आटे को समोसे का आकार देकर उसमें आलू वाला मिश्रण भरें। कढ़ाई में तेल गर्म करके सभी समोसे तलें और उन्हें व्रत वाली चटनी के साथ परोसें।

अरबी की सब्जी

अरबी की व्रत वाली सब्जी बनाने के लिए पहले अरबी को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद 2 मध्यम आकार के टमाटर लेकर उन्हें कद्दूकस कर लें। एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें जीरा, टमाटर, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और सेंधा नमक डालकर भून लें। जब मसाला अच्छी तरह भुन जाए तब इसमें कटी हुई अरबी मिलाएं और अच्छी तरह पक जाने दें। ऊपर से धनिया पत्ती डालकर परोसें।

मांसाहारियों की तुलना में शाकाहारियों को होती है सफल होने की ज्यादा इच्छा

हमारी खान-पान की आदतें हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती हैं, मूड को बेहतर बनाती हैं और यहां तक कि वजन को भी नियंत्रित रखती हैं। हालांकि, किसी ने नहीं सोचा होगा कि भोजन और सफलता का भी कोई संबंध हो सकता है। सफल होना तो हर कोई चाहता है। हालांकि, एक नए अध्ययन में कहा गया है कि शाकाहारी लोगों को मांसाहारियों की तुलना में ज्यादा ताकत और सफलता चाहिए होती है।

अमेरिका और पोलैंड में हुआ यह अध्ययन

यह अध्ययन अमेरिका और पोलैंड के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है, जिसे पीएलओएस वन पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। इसका नेतृत्व पोलैंड के एसडब्ल्यूपीएस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जॉन नेजलेक ने किया है। इससे पता चला है कि शाकाहारी लोग मांसाहारी लोगों की तुलना में सत्ता और उपलब्धियों के ज्यादा लालची होते हैं। इस शोध के नतीजे शाकाहारियों की छवि को उलटने का काम कर रहे हैं और उससे विपरीत साक्ष्य दे रहे हैं।

3,700 प्रतिभागियों की मदद से पूरा हुआ अध्ययन

इस शोध के लिए 3 अलग-अलग अध्ययन किए गए थे, जिनमें 3,700 से अधिक वयस्कों की जांच की गई थी। इनमें से एक अध्ययन अमेरिका में हुआ था, वहीं 2 पोलैंड में किए गए थे। अमेरिकी अध्ययन में 514 शाकाहारी और 540 मांसाहारी लोग शामिल थे। पोलिश वाले पहले अध्ययन में 636 प्रतिभागी थे, जिनमें से लगभग 47 प्रतिशत शाकाहारी थे। वहीं, दूसरे अध्ययन में 2,102 प्रतिभागी थे, जिनमें से लगभग 3.4 प्रतिशत शाकाहारी थे।

प्रतिभागियों से सवाल-जवाब कर किया गया शोध

प्रतिभागियों से एक मनोवैज्ञानिक ढांचे का उपयोग करते हुए उनके बुनियादी मानवीय मूल्यों से जुड़े सवाल पूछे गए थे। यह मानव व्यवहार को संचालित करने वाले 10 प्रमुख मूल्यों को मापता है, जिसमें लोगों और प्रकृति की देखभाल से लेकर दूसरों पर नियंत्रण की इच्छा तक शामिल है। अधिकांश मूल्यों के लिए तीनों अध्ययनों में नतीजे काफी हद तक एक जैसे थे। हालांकि, शोधकर्ताओं ने इसके दौरान कुछ सांस्कृतिक अंतर भी पाए।

पश्चिम देशों के शाकाहारी लोग परंपराओं को नहीं देते महत्व

अध्ययन से यह भी सामने आया कि पश्चिमी देशों के शाकाहारी लोग परंपराओं को कम महत्व देते हैं। उनके मन में संस्कृति या धर्म द्वारा दिए गए रीति-रिवाजों और विचारों के प्रति सम्मान नहीं था।

क्या रहे इस अध्ययन के नतीजे?

मांसाहारी लोगों की तुलना में शाकाहारियों ने परोपकार, सुरक्षा (स्थिरता और सुरक्षा की इच्छा) और अनुरूपता (सामाजिक मानदंडों का पालन करना) जैसे मूल्यों पर कम अंक प्राप्त किए। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि शाकाहारियों का शक्ति और उपलब्धि के साथ गहरा संबंध पाया गया था। सभी अध्ययनों में शाकाहारियों ने इन मूल्यों को मांसाहारी लोगों की तुलना में ज्यादा अहम माना। अध्ययन में कहा गया, शाकाहारी मांस खाने वालों की तुलना में अधिक मर्दाना होते हैं।

भारत के लोगों के लिए उपयुक्त नहीं हैं इस अध्ययन के नतीजे

मर्दाना से शोधकर्ताओं का मतलब था कि वे ताकत और सफलता जैसे मूल्यों को ज्यादा महत्व देते हैं, जो पारंपरिक मर्दाना गुणों में गिने जाते हैं। शाकाहारियों को अनुरूपता की बहुत कम चिंता थी, जो दूसरों को परेशान करने या सामाजिक मानदंडों का उल्लंघन करने वाला मूल्य है। यह नतीजे उन देशों के लिए उपयुक्त हैं, जिनमें शाकाहारी अल्पसंख्यक बने हुए हैं। इसके नतीजे भारत के लोगों के लिए सही नहीं हैं, क्योंकि यहां ज्यादातर लोग शाकाहारी हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया कर्पूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन कार्य का शिलान्यास

रेल बजट, जो बिहार के लिए पहले मात्र 1,000 करोड़ था, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़कर 10,000 करोड़ हो गया है : अश्विनी वैष्णव

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा बिहार की रेलवे संरचना को आधुनिक और सुविधा-सम्पन्न बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को भारत सरकार में रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के कैबिनेट मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार के समस्तीपुर मंडल स्थित कर्पूरीग्राम स्टेशन परिसर में कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

इस अवसर पर वैष्णव ने सबसे पहले दीघा ब्रिज हॉल्ट का निरीक्षण कर वहां यात्री सुविधा, संरक्षा, साफ -सफाई, प्लेटफॉर्म की स्थिति, पेयजल, रोशनी एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी यात्रियों को आधुनिक और सुरक्षित रेल अनुभव प्रदान करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

इसके उपरांत रेल मंत्री ने कर्पूरीग्राम स्टेशन परिसर में 3.30 करोड़ की लागत से होने वाले स्टेशन उन्नयन कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत स्टेशन भवन का आधुनिकीकरण, प्रतीक्षालय, शौचालय, डिजिटल सूचना प्रणाली, पेयजल सुविधा, दिव्यांगजनों के लिए रैम्प एवं अन्य यात्री सुविधा कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कर्पूरीग्राम स्टेशन पर यात्री सुविधा से जुड़ी कई नवनिर्मित सुविधाओं का उद्घाटन भी किया।

रेल मंत्री वैष्णव ने इसके पश्चात कर्पूरीग्राम और खुदीराम बोस पूसा स्टेशनों के बीच स्थित समपार फाटक संख्या 59 'ष्ट' पर ?14.0 करोड़ की लागत से बनने वाले अंडरग्राउंड रेलवे सब-वे के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि यह अंडरग्राउंड रेलवे सब-वे के निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद स्थानीय वाहन यातायात को बड़ी राहत देगा और ट्रेनों की सुचारू आवाजाही में भी मदद मिलेगी, जिससे संरक्षा में वृद्धि होगी।

उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे द्वारा 33,000 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं, जो पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में कई गुना अधिक है। यह कार्य न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करता है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति देता है। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार बिहार जैसे राज्यों को 'विकसित भारत' की परिकल्पना में भागीदार बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राज्य मंत्री (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय) रामनाथ ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, रेलवे अधिकारी, और बड़ी संख्या में आम नागरिकों की उपस्थिति रही।

छात्र-छात्राओं की अनोखी पहल ने एक दिन में जुटाए 844 किलोग्राम सिंगल यूज़ प्लास्टिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर जिले में प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर जिले में प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर कलेक्टर के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के सहयोग से जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया जिसमें जिले भर के लगभग 15000 छात्र-छात्राओं ने घर-घर से निकलने वाले एकल उपयोगी प्लास्टिक के एकत्रीकरण हेतु व्यापक स्तर पर भागीदारी की। इस अभिनव पहल में न केवल छात्र-छात्राएं पूरे उत्साह के साथ आगे आए बल्कि उनके अभिभावकों ने भी बच्चों का भरपूर सहयोग कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

बच्चों ने अपने घरों से अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथीन की थैलियां एवं अन्य सिंगल यूज प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित कर उन्हें विद्यालय लाया जहां प्लास्टिक संग्रहण के पश्चात विद्यालय स्तर पर स्वच्छता संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी में शिक्षकों ने बच्चों को प्लास्टिक के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए पर्यावरण प्रदूषण और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से इसके संबंध को समझाया तथा दैनिक जीवन में कपड़े के थैले, दोना-पत्तल जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के उपयोग के लिए प्रेरित किया।

छात्रों की इस पहल ने प्रदेश में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है क्योंकि पहली बार ऐसा हुआ जब एक ही दिन में लगभग 15000 बच्चों ने 844 किलोग्राम सिंगल यूज़ प्लास्टिक एकत्रित कर स्वच्छाग्राहियों को सौंपा और आमजन से प्लास्टिक के प्रभावी प्रबंधन एवं इसके उपयोग को त्यागने की अपील की। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है बल्कि जन जागरूकता के क्षेत्र में विद्यार्थियों की सशक्त भूमिका को रेखांकित करता है।

समय पर खाद-बीज मिलने से किसानों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्तमान में मानसून सीजन का समय है ऐसे में किसानों के लिए समय पर खाद व बीज़ का इंतजाम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। शासन-प्रशासन द्वारा किसानों क़ो खाद बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए समितियों में अग्रिम भण्डारण हेतु अवश्यक निर्देश अधिकारियों क़ो दिये गए हैं। समय पर बीज़ व उर्वरक मिलने से किसानों क़ो खेती-किसानी की चिंता दूर हुई है।

बलौदाबाजार जिले के ग्राम परसाभदेर (च) निवासी किसान संतोष कुमार निषाद हर साल की तरह इस बार भी अपने खेतों में मेहनत करने के लिए तैयार थे। लगभग 7 एकड़ ज़मीन में खेती करने वाले संतोष निषाद के चेहरे पर चिंता की लकीरें तब उभर आई थीं, जब उन्हें लगा कि कहीं इस बार खाद मिलने में देर न हो जाए। खाद की समय पर उपलब्धता हर किसान के लिए किसी राहत से कम नहीं होती। यही सोचकर वो पहुंचे सेवा सहकारी समिति बलौदाबाजार। लेकिन इस बार नज़ारा कुछ और ही था। न कोई भीड़, न कोई भागदौड़। व्यवस्था इतनी सुगम थी कि उन्हें तुरंत और पूरी मात्रा में खाद मिल गई। खाद हाथ में आते ही संतोष की आंखों में एक चमक सी आ गई। उन्होंने कहा, पहली बार ऐसा लगा कि सरकार सच में हमारे बारे में सोच रही है। खाद लेने में कोई दिक्कत नहीं आई, समय भी बचा और मेहनत भी। इससे अब खेत की बुवाई समय पर हो पाएगी। इस व्यवस्था से प्रभावित होकर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट किया। उनका कहना था।

अब इलाज के लिए कर्ज, की चिंता से मिली मुक्ति आयुष्मान कार्ड योजना से मिल रही राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अब जनजीवन में परिवर्तन की एक सशक्त मिसाल बन चुकी है। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के हजारों परिवारों को इस योजना ने इलाज का भरोसा और जीवन की नई उम्मीद दी है।

बलरामपुर जिला के ग्राम महावीरगंज निवासी अर्जुन सिंह , जो एक सामान्य कृषक हैं। सिंह मधुमेह से पीड़ित हैं उनके पैर में कुछ समय पूर्व एक गहरा घाव हो गया था,

जो आगे चलकर डायबेटिक फूट में तब्दील होने लगा। डॉक्टरों के अनुसार अगर समय पर इलाज नहीं होता, तो उनके पैर को काटना पड़ सकता था। चिकित्सक ने बताया कि इलाज का अनुमानित खर्च 45,000 रुपये था, जो उनके लिए असंभव था। लेकिन उनका आयुष्मान कार्ड जीवन रक्षक बनकर सामने आया। बलरामपुर जिला अस्पताल में उनका संपूर्ण इलाज नि:शुल्क हुआ और अब वे स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। अर्जुन सिंह ने योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए कहा, अगर आयुष्मान योजना नहीं होती तो मैं अपना पैर खो चुका होता, इस कार्ड ने मेरी जिंदगी बचाई है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार अब तक बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में लगभग 07 लाख 11 हजार 252 आयुष्मान कार्ड और 10 हजार 970 वय वंदन कार्ड बनाए जा चुके हैं। इनमें से 1 लाख 8 हजार 648 से अधिक लोग विभिन्न बीमारियों में नि:शुल्क उपचार का लाभ ले चुके हैं। राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा लगातार आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ के कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को अमरकंटक से कवर्धा तक मिलेगी विशेष सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल एवं निर्देशानुसार प्रतिवर्ष भांति इस वर्ष भी श्रावण माह में आयोजित कांवड़ यात्रा के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सहित कबीरधाम जिले से अमरकंटक की ओर प्रस्थान करने वाले कांवड़ियों के लिए व्यापक और विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं।उपमुख्यमत्री विजय शर्मा के निर्देश पर जिला बोल बम समन्वय समिति के सदस्य अमरकंटक स्थित मृत्युञ्जय आश्रम में कांवड़ियों के ठहरने, भोजन, स्वल्पाहार, पेयजल, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की पूरी व्यवस्था की गई है।

कांवड़ियों की सुविधा के लिए पूरे आश्रम परिसर में जलप्रबंध, रात्रि विश्राम हेतु शयन व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा हेतु प्राथमिक उपचार केन्द्र तथा शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन वितरण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही मार्गदर्शन एवं सूचना के लिए प्रमुख स्थानों पर बैनर-पोस्टर लगाए गए हैं, जिससे कांवड़ियों को कोई असुविधा न हो। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में इस जनसेवा कार्य में जिला बोल बम समन्वय समिति के सदस्य एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर,दौवा गुप्ता, निशांत झा, सुधीर केशरवानी, मंजीत बैरागी, निर्मल द्विवेदी एवं रामसिंह ठाकुर व्यवस्था बनाने में लगे हुए हैं। ये सभी सदस्य लगातार स्थल पर व्यवस्थाओं की निगरानी एवं समन्वय कर रहे हैं, ताकि कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

सावन माह में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलता है, जब प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर कबीरधाम जिले के डोंगरियां, भोरमदेव और बूढ़ा महादेव जैसे पवित्र स्थलों तक कांवड़ यात्रा करते हुए पहुँचते हैं। यह धार्मिक यात्रा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति का जीवंत उदाहरण है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उपमुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर मार्ग में ठहरने की समुचित व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, मेडिकल टीमों की तैनाती, विद्युत व्यवस्था और विशेष रूप से यातायात प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किया जाएगा।

सावन माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को सफल और सुगम बनाने के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अमरकंटक से बुढ़ामहादेव मार्ग के विभिन्न स्थलों पर ठहरने, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत व्यवस्था की जा रही है। बैठक में बताया गया कि अमरकंटक से कावंड यात्रा निकलने पर पड़ने वाले ग्राम लमनी और खुड़िया में कांवड़ यात्रियों के लिए वॉटरप्रूफ टेंट की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे बारिश के दौरान भी यात्रियों को कोई असुविधा न हो।

इसके अतिरिक्त, पंडरिया, कुई, पोलमी, डोंगरिया, खड़ौदा, सिल्हाटी, पोड़ी सहित कवर्धा के विभिन्न शासकीय स्कूलों एवं पंचायत भवनों में भी पेयजल, रात्रि विश्राम एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कौशल विकास, श्रम, वन, उद्योग और अन्त्यावसायी विभाग की योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभागों के कार्यों को गंभीरता से संचालित करने और ई-ऑफिस प्रणाली को जल्द से जल्द लागू करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत जिले के युवाओं को वर्तमान रोजगार की मांग के अनुरूप विभिन्न ट्रेडों जैसे कि नर्सिंग सहायक, मशीन उपकरण संबंधित कोर्स में प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण ऐसा मिले जिससे उन्हें तुरंत रोजगार के अवसर मिल सकें।

कलेक्टर ने नीमगांव और तपकरा में प्रस्तावित स्नेक पार्क, मयाली में इको-जोन सहित वन विभाग से संबंधित योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री के जशपुर प्रवास के दौरान की गई घोषणाओं को प्राथमिकता में लेकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। बरसात के मौसम को देखते हुए कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद स्तर पर पौधरोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और इस अभियान को सफल बनाएं। कलेक्टर ने अन्त्यावसायी विभाग से योजनाओं की जानकारी लेकर जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने की बात कही। श्रम विभाग को भी पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कर योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।

सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि ई-ऑफिस संचालन की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब सभी शासकीय कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही संचालित होंगे। जिन अधिकारियों ने अभी तक यह प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की है, उन्हें जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभागीय अधिकारियों से पेंशन प्रकरण, अनुकम्पा नियुक्ति, नामांकन, विभागीय जांच, तथा निलंबन संबंधी प्रकरणों की जानकारी ली और समय पर निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

नई शुरुआत की ओर एक और कदम नवापारा यूसीएचसी

कैंसर पीड़ित बच्चे को दी गई कीमोथेरेपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के स्वास्थ्य सेवा विस्तार के विजन को साकार करते हुए, अंबिकापुर जिले के नवापारा स्थित शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (यूसीएचसी) ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। शुक्रवार को नवापारा यूसीएचसी में न्यूरोब्लास्टोमा से पीड़ित एक मासूम बच्चे को सफलतापूर्वक कीमोथेरेपी की चौथी साइकिल दी गई।

यह पहली बार है जब नवापारा सीएचसी में किसी बाल कैंसर मरीज को कीमोथेरेपी दी गई है, जो राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों को कीमोथेरेपी देना दुर्लभ माना जाता था, जिसके कारण कैंसर से पीड़ित बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पतालों या बड़े शहरों में भटकना पड़ता था। नवापारा यूसीएचसी ने इस पुरानी प्रथा को बदलते हुए एक नई मिसाल कायम की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कैंसर से जूझ रहे बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके, जिससे उनके परिवारों पर यात्रा और आर्थिक बोझ कम हो।

इस मौके पर चिकित्सा अधिकारी और ऑन्कोलॉजिस्ट ने कहा, यह सिर्फ इलाज नहीं है, बल्कि एक उम्मीद की शुरुआत है। पहले बच्चों को कीमोथेरेपी के लिए मेडिकल कॉलेज या बड़े अस्पताल भेजना पड़ता था, लेकिन अब हमने नवापारा सीएचसी में इस सुविधा की शुरुआत कर दी है। यह हमारी टीम की सामूहिक मेहनत और सेवा भाव का परिणाम है।

इस सफल पहल के लिए पूरी चिकित्सा टीम जिसमें डॉक्टर्स, स्टाफ नर्स, तकनीशियन, और फार्मासिस्ट शामिल हैं, जिन्हे धन्यवाद दिया गया। यह घोषणा की गई कि आने वाले समय में कैंसर मरीजों को यहां इलाज उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। यह कदम नवापारा सीएचसी को एक मॉडल कैंसर ट्रीटमेंट सेंटर की दिशा में ले जाएगा, जो मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के राज्यव्यापी स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के विजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यह सफलता जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन, कैंसर मरीजों के लिए अटूट समर्थन, जनप्रतिनिधियों के अथक प्रयासों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयासों और केंद्र प्रभारी डॉ. शीला नेताम एवं नवापारा के समस्त स्टाफ नर्स की दृढ़ संकल्प सेवा के अथक समर्पण से संभव हुई है।

यह ऐतिहासिक विकास न केवल नवापारा यूसीएचसी के स्वास्थ्यकर्मियों का उत्साह बढ़ाता है, बल्कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए नई उम्मीद लेकर आता है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और उन्हें सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब तक 233.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज, नगरी में सर्वाधिक

धमतरी। जिले में मानसून की दस्तक के साथ अब तक औसतन 233.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगरी तहसील में सर्वाधिक 312.8 मिमी और मगरलोड तहसील में सबसे कम 123.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। धमतरी तहसील: 283.9 मिमी, कुकरेल तहसील: 283 मिमी, बेलरगांव तहसील: 234 मिमी, भखारा तहसील: 206.2 मिमी, कुरूद तहसील: 191.5 मिमी आज की औसत वर्षा 39.9 मिमी रही। धमतरी: 46 मिमी, कुरूद: 46.6 मिमी, मगरलोड: 23.4 मिमी, नगरी: 48.5 मिमी, भखारा: 54.1 मिमी, कुकरेल: 32 मिमी, बेलरगांव: 29 मिमी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

फर्जी ऋण पुस्तिका से जमानत कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

रायगढ़। घरघोड़ा पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए कूटरचित किसान ऋण पुस्तिका के जरिए न्यायालय से जमानत दिलाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में पट्टाधारी पद्मलोचन साव और दलाल जगन्नाथ कसेरा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी पुराने जमानत इंद्राज वाले पृष्ठ को किसान किताब से हटा कर कोरे पृष्ठ जोड़कर बार-बार जमानत हेतु दस्तावेज पेश कर रहे थे।

पुरानी किसान किताब में की गई थी हेराफेरी जानकारी के मुताबिक, प्रथम श्रेणी न्यायालय घरघोड़ा में पदस्थ बाबू प्रशांत कुमार सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। शिकायत में बताया गया कि अपराध क्रमांक 132/2025 में आरोपी तौहिद खान की जमानत के लिए पद्मलोचन साव द्वारा किसान ऋण पुस्तिका क्रमांक 2925098 प्रस्तुत की गई थी। कुछ समय बाद वही दस्तावेज आरोपी कौशिल्या बाई की जमानत में पुनः उपयोग किए गए, लेकिन इस बार किताब से पुराना पृष्ठ गायब कर नया पृष्ठ जोड़ा गया था।

सतर्क न्यायालय ने पकड़ा जालसाजी का खेल 6 जून को जब आरोपी कौशिल्या बाई की जमानत हेतु वही दस्तावेज पुनः लाए गए, तो कोर्ट स्टाफ और न्यायाधीश दामोदर प्रसाद चंद्रा की सतर्कता से यह गड़बड़ी पकड़ में आ गई। मामले में तत्काल जांच कर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया। जांच में पता चला कि पट्टाधारी पद्मलोचन साव और दलाल जगन्नाथ कसेरा बार-बार उसी ऋण पुस्तिका का उपयोग अलग-अलग आरोपियों के जमानत के लिए करते थे। इस अवैध कार्य के बदले में दलाल मोटी रकम वसूलता था, जिसे दोनों आपस में बांटते थे। घरघोड़ा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 177/2025, धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 3(5) BNS के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज भी जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

खड़े ट्रेलर में लगी भीषण आग

कोरबा। जिले के सर्वमंगला-कुसमुंडा मुख्य मार्ग पर सोमवार को एक खड़े ट्रेलर में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना बरमपुर मोड़ के पास की है, जहां ट्रेलर धू-धू कर जलने लगा और आग की लपटों के साथ घना धुआं उठने लगा। इस दृश्य से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक कोरबा से कुसमुंडा खदान की ओर कोयला लोड करने जा रहा था। रास्ते में बरमपुर मोड़ के पास उसने वाहन खड़ा कर चाय-नाश्ते के लिए ब्रेक लिया था। इसी दौरान ट्रेलर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। हल्की बारिश के बावजूद आग तेजी से फैलती गई। ट्रेलर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तुरंत फायर ब्रिगेड को अलर्ट किया। पुलिस ने एहतियातन आसपास खड़े अन्य वाहनों को वहां से हटवाया और लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

रथयात्रा की भीड़ में मोबाइल चोरी, फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे, तीन पहले हो चुकी है तीन की गिरफ्तारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रथ यात्रा की भीड़ का फायदा उठाकर लोगों की जेब से मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के एक और फरार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गया। भिलाई नगर पुलिस ने आरोपी को मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश करते गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस पहले ही 16 मोबाइल के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

बता दें 27 जून को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर गिरोह के द्वारा काफी लोगों के मोबाईल चोरी की रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी एवं मशरुका बरामदगी हेतु पुलिस टीम लगाया गया। चोरी गए मोबाईल एवं आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी इस बीच 4 जुलाई को 03 आरोपियों को पकड़कर उसके कब्जे से कुल 16 नग मोबाइल को बरामद कर आरोपीगणो को जेल भेजा जा चुका है।

आरोपियों ने बताया था कि एम सागर भी चोरी मे संलिप्त था। इसके बाद से ही जिसकी पतासाजी की जा रही थी। इस दौरान रविवार को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति सेक्टर 06 जगन्नाथ मंदिर के पास भिलाई मे अपने पास मोबाईल रखकर बिक्री करने हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर थाना भिलाई नगर से स्टाफ रवाना हुआ संदेही व्यक्ति को हिरासत मे लेकर थाना लाया गया।

संदिग्ध ने अपना नाम एम सागर पिता एम शेखर (21) निवासी प्रगति नगर छावनी भिलाई का होना बताया। उसने बताया कि रथ यात्रा मे भीड़ का फायदा उठाकर अपने साथियों बिल्लु नौसाद एवं सुनील उर्फ रोहित, इमला व अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की बात स्वीकारी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 मोबाइल बरामद किया है। आरोपी एम सागर को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

छत्तीसगढ़ के 20 श्रद्धालु शहडोल में हादसे का शिकार तीन महिलाओं की मौत, अयोध्या से लौट रहे थे सभी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन कर लौट रहे छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में हादसे का शिकार हो गए। हादसा शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार गाड़ी पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ से करीब 20 लोग रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग फेरव्हीलर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान शहडोल जिले के जोरा गांव के पास सुबह करीब 5 बजे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि, तूफान गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और सवार लोग इधर-उधर बिखर गए। चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे की सूचना मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पहले उन्हें ब्यौहारी अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन चार की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान गायत्री कंवर (55), मालती पटेल (50) और इंदिरा बाई के रूप में हुई है। ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि, हादसे में तीन महिलाओं की जान चली गई है, जबकि चार की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आरंग थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां एक महिला के साथ उसके घर में घुसकर दुष्कर्म किया गया। आरोपी ने पानी मांगने के बहाने पहले महिला के घर में प्रवेश किया और फिर सुनसान माहौल का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी बीते कुछ दिनों से महिला के घर की रेकी कर रहा था। घटना वाले दिन जैसे ही महिला का पति किसी काम से बाहर गया आरोपी ने मौका पाकर महिला को अकेली देख घर में घुसकर दुष्कर्म किया। वारदात के समय मोहल्ला भी सुनसान था जिसका आरोपी ने पूरा फायदा उठाया।

बीजापुर में 8 लाख का इनामी नक्सली ढेर

मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षाबलों की पीट थपाथपाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। बीजापुर में 8 लाख का इनामी नक्सली ढेर, मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षाबलों की पीट थपाथपाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर के बीजापुर जिले में माओवादियों की पीएलजीए बटालियन के 8 लाख के इनामी डिप्टी कमांडर सोढ़ी कन्ना को सुरक्षा बलों द्वारा न्यूट्रलाइज किए जाने पर सुरक्षाबलों के अदम्य साहस, सटीक रणनीति और जनसहभागिता की सराहना की है।

उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त करने का मिशन निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। छत्तीसगढ़ सरकार इस अभियान में पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह कार्रवाई हमारे वीर सुरक्षाबलों के पराक्रम और सुनियोजित अभियानों का जीवंत उदाहरण है। सुरक्षाबलों की निरंतर और निर्णायक कार्रवाइयों ने नक्सल संगठन की रीढ़ तोड़ दी है। आज नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार पूरी दृढ़ता के साथ यह अभियान जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य के हर क्षेत्र में लोकतंत्र, विश्वास और प्रगति की विजय सुनिश्चित होगी।

भिलाई स्टील प्लांट में हादसा : बारिश में ढह गई कोक ओवन की गैलरी, मची अफरा तफरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में बारिश के बीच भिलाई स्टील प्लांट के कोक ओवन में गैलरी नंबर 38 सोमवार की दोपहर में अचानक भर-भराकर गिर गई। हादसे की सूचना के बाद अधिकारी तुरंत हरकत में आए और आनन फानन में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात कर दिया। जिस समय गैलरी गिरी तब उसके नीचे कोई कर्मचारी नहीं था इसके कारण किसी प्रकार के जानमाल की हानि नहीं हुई।

बता दें शहर में रविवार रात से ही बारिश का दौर जारी है। शहर में कभी तेज तो कभी धीमी बारिश हो रही है। इस बीच प्लांट में बड़ा हादसा हो गया। कोक ओवन में गैलरी नंबर 38 पूरा का पूरा भर भराकर गिर गया। इसी गैलरी से भिलाई स्टील प्लांट के कोकओवन में कोल हैंडलिंग प्लांट से कोल टावर नंबर 3 को कोल की आपूर्ति की जाती है। यहीं से सभी बैटरियों में कोल चार्जिंग की जाती है। गैलरी के ढह जाने से कुछ बैटरियों का कोल चार्जिंग कार्य प्रभावित होगा।

घटना के बाद बीएसपी प्रबंधन ने मौके पर चारों ओर बैरिकेट लगाने का काम शुरू कर दिया है। ताकि कोई इसके करीब न जाए। गैलरी का बचा हुआ हिस्सा भी जमीन पर गिरने की आशंका के कारण प्रबंधन द्वारा सुरक्षा पर प्रबंधन खास ध्यान दिया जा रहा है। वहीं हादसे के कारण काम प्रभावित न हो इस पर भी ध्यान दिया जा रहा है। राहत की बात यह है कि घटना के समय गैलरी के आसपास कोई कर्मचारी नहीं था, इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। थाना सरकंडा पुलिस ने जालसाजी कर पैतृक भूमि की अवैध रजिस्ट्री कराने के संगीन मामले का खुलासा करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में दो आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है, वहीं तीन आरोपियों का पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। प्रार्थी प्रकाश दुबे, निवासी जूना बिलासपुर ने सरकंडा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पैतृक भूमि ग्राम खमतराई, पटवारी हल्का नंबर 25 में खसरा क्रमांक 672, रकबा 56 डिसमिल पर स्थित है। पिता के निधन के बाद फौती नामांतरण के आधार पर यह जमीन प्रार्थी और उसकी मां के नाम पर दर्ज है। 30 मार्च 2025 को प्रार्थी को जानकारी मिली कि उक्त भूमि की बिक्री कर दी गई है।

भूइंया ऐप के माध्यम से जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि अनुज मिश्रा नामक व्यक्ति के नाम पर जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई है। इस रजिस्ट्री में प्रार्थी के दिवंगत पिता भैयालाल दुबे के स्थान पर भैयालाल सूर्यवंशी नामक फर्जी व्यक्ति को खड़ा कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बिक्री की गई है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक

(शहर) राजेन्द्र जायसवाल एवं सीएसपी सरकंडा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में निरीक्षक निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच में सामने आया कि अनुज मिश्रा, राहुल पटवा एवं अन्य आरोपियों ने मिलकर सुनियोजित तरीके से फर्जी व्यक्ति को खड़ा कर रजिस्ट्री कार्यालय में अनुचित रूप से रजिस्ट्री करवाई। इसके लिए आरोपी राहुल पटवा ने अपने रिश्तेदार गोविंदराम पटवा की मदद से बुजुर्ग व्यक्ति मंगलदास (75 वर्ष) को बतौर भैयालाल प्रस्तुत करवा कर अनुज मिश्रा के नाम पर रजिस्ट्री करवाई।

गिरफ्तार आरोपी मंगलदास पिता डहकुदास (75 वर्ष), निवासी माहुली, थाना त्रिकुण्डा, जिला बलरामपुर राम गोविंद पटवा पिता वासुदेव पटवा (39 वर्ष), निवासी माहुली, बलरामपुर अनुज कुमार मिश्रा पिता स्व. अशोक मिश्रा (35 वर्ष), निवासी राजकिशोर नगर, सरकंडा प्रियांशु मिश्रा पिता विरेन्द्र मिश्रा (30 वर्ष), निवासी चोरभट्ठी खुर्द, थाना सकरी राहुल पटवा पिता रामलाल पटवा (31 वर्ष), निवासी उसलापुर अटल आवास, बिलासपुर इनमें से मंगलदास एवं राम गोविंद पटवा को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है जबकि अनुज मिश्रा, प्रियांशु मिश्रा और राहुल पटवा को पुलिस रिमाण्ड में लेकर पूछताछ की जा रही है। बिलासपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जीवाड़े में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आगे भी ऐसी गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

बाईक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, हुई मौत

रायगढ़। जिले के तमनार थाना क्षेत्र में दर्दनाक सडक हादसे में एक मौत हो गई दूसरे कि हालत गंभीर है। बाईक सवार मृतक का नाम धनेश्वर राठिया पिता मोती राठिया उम्र 18 वर्ष घायल का नाम गोलू राठिया पिता विजय राठिया उम्र 19 वर्ष बताया जा रहा है। बता दे कि कुछ समय पूर्व हुकराडीपा चौक शनि मंदिर के पास अज्ञात वाहन कि चपेट में आने से बाईक सवार एक युवक कि मौत हो गई है दुसरे कि हालत गंभीर बताई जा रही है घटना के तुरंत बाद 112 मौके पर पहुंच कर शव और घायल को हॉस्पिटल पहुंचाया गया है।

बताये अनुसार मृतक और घायल कोगनारा थाना घरघोड़ा के बताये जा रहे है। स्थानीय जनों कि माने से सडक में फ्लाइ एस कि ओवर लोड से भरी गाड़ियाँ धड़ल्ले से दौड़ रही है से घटना होने कि आशंका ब्यक्त कर रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि चुकी मृतक और घायल घरघोड़ा क्षेत्र के होने के कारण 112 ने तत्काल आनन फानन में मृतक के शव को और घायल को हॉस्पिटल पहुँचा दिया जबकि परिजन मौके पर नहीं पहुँच पाए थे घटना में तमनार क्षेत्र के स्थानीय होते तो चक्का जाम व अन्य परिस्थितियों से गुजरना पढ़ता।

युवक पर किया जानलेवा हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के बेलदारपारा में सोमवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां एक ही परिवार पर तलवार से हमला करने का प्रयास किया गया। पुरानी रंजिश को लेकर हुए इस हमले में एक युवक घायल हो गया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सुबह करीब 7:10 बजे की है। निकलेश कुमार यादव के पिता घर के बाहर चबूतरे पर अखबार पढ़ रहे थे, तभी पड़ोसी संतोष साहू उर्फ सोनू वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगा। शोर सुनकर निकलेश बाहर निकला तो संतोष का भाई दया राम साहू तलवार लेकर आ धमका और जान से मारने की धमकी देने लगा। दया राम ने तलवार से हमला करने का प्रयास किया।

निकलेश ने बचाव की कोशिश की, लेकिन उसके हाथ में गंभीर चोट लग गई। घटना की सूचना तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप और नगर पुलिस अधीक्षक यदुमनी सिदार के निर्देश पर पुलिस

टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान दया राम साहू (39) और संतोष साहू उर्फ सोनू (36) के रूप में हुई है, जो चांपा के बेलदारपारा के निवासी हैं। दया राम के कब्जे से तलवार बरामद की गई है। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 296, 351(2), 115(2), 3(5) BNS और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि बेलदारपारा क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी सतत निगरानी रखी जाएगी और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पिता-पुत्र की करंट लगने से हुई मौत

बिलासपुर। करंट की चपेट में आने से पिता और बेटे की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में भी हड़कंप मच गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना सीपत थाना क्षेत्र के ऊनी गांव की है। यहां पिता और बेटा कुएं में मरे मेढ़क को निकालने उतरे थे। इसी दौरान समर्सिबल पंप के खुले तार से करंट फैल गया। पानी में करंट फैलने की वजह से पिता-पुत्र उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

- शासन की योजनाओं का किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ
- प्रधानमंत्री सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, कृषक उन्नति योजना से हो रहा फायदा

शासन की किसान हितैषी योजनाओं से अन्नदाता किसान धन-धान्य से हो रहे समृद्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । जिले में खेती-किसानी कार्य के लिए किसानों में खुशी एवं उल्लास है। शासन की किसान हितैषी योजनाओं से अन्नदाता किसान धन-धान्य से परिपूर्ण एवं समृद्ध हो रहे है। किसान सेवा सहकारी समिति से लगातार खाद-बीज क्रय कर रहे है। शासन की योजनाएं उनके लिए मददगार साबित हो रही है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बोरी के किसान संजय कुमार टंडन सेवा सहकारी समिति गठुला खाद खरीदने आए थे। उन्होंने बताया कि उनके पास 20 एकड़ जमीन है और आज उन्होंने यूरिया, डीएपी, पोटाश और राखड़ खरीदा है।

उन्होंने बताया कि आज जरूरत के हिसाब से खाद मिल गया है। 20 एकड़ खेत में धान की रोपाई हो गई है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत शून्य प्रतिशत ब्याज पर 1 लाख 50 हजार रूपए का ऋण लिया है। जिसका उपयोग वे खेती-किसानी के लिए करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बिना ब्याज के राशि मिल जाने से बहुत मदद होती है और यह किसानों के लिए लाभप्रद है।

श्री टंडन ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री सम्माननिधि योजना के तहत प्रतिवर्ष 6000 रूपए की राशि मिल रही है। जिसका उपयोग वे खेती कार्यों के लिए कर रहे है। खेती कार्यों में नवीनतम तकनीक के प्रयोग से कृषि कार्य आसान होते जा रहे है। उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना सरकार की बेहतरीन योजना है। जिसके तहत 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना के दायरे को विस्तृत किया गया है तथा दलहन, तिलहन, मक्का की फसल लगाने वालों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि कृषक उन्नति योजना से धान की बिक्री करने पर जो बचत हुई उसका उपयोग उन्होंने बच्चों की पढ़ाई लिखाई, घर की मरम्मत एवं अन्य कार्यों में किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को शासन की योजनाओं के लिए धन्यवाद दिया।

राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम गठुला के किसान श्री सुखदास साहू ने 3 बोरी यूरिया, 3 बोरी डीएपी एवं 1 बोरी पोटाश खरीदा। उन्होंने बताया कि समिति में उनकी जरूरत के अनुसार खाद मिल गया है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत उन्होंने शून्य प्रतिशत ब्याज पर 50 हजार रूपए की राशि ऋण में ली है तथा उन्हें प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री सम्मान निधि से 6000 रूपए की राशि प्राप्त हो रही है। शासन की योजनाओं का किसानों को भरपूर लाभ मिल रहा है।

ग्राम चिखली के किसान रामनारायण साहू ने बताया कि उनके पास 1 एकड़ जमीन है और आज उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद मिल गया है। उन्होंने यूरिया, डीएपी, पोटाश खाद खरीदा है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना अंतर्गत शून्य प्रतिशत ब्याज पर 10 हजार रूपए ऋण लिया है। जिसका उपयोग वे खेती किसानी के लिए करेंगे। इसी तरह ग्राम चिखली के किसान बिरेन्द्र साहू खाद खरीदने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके पास 12 एकड़ जमीन है और आज उन्होंने सेवा सहकारी समिति से यूरिया एवं डीएपी खरीदा है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत शून्य प्रतिशत ब्याज पर 40 हजार रूपए का ऋण लिया है। ग्राम बोरी की ऊषा बाई खाद खरीदी के लिए पहुंची थी और उन्होंने यूरिया, पोटाश खरीदा।

सहकारी समितियों के माध्यम से खाद और बीज की पर्याप्त आपूर्ति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में प्राथमिक सेवा सहकारी समितियों में खाद की आपूर्ति और भंडारण की कार्यवाही की जा रही है। कबीरधाम जिले में स्थापित डबल लॉक केन्द्रों में वर्तमान में 3,128 मीट्रिक टन खाद सुरक्षित भण्डारित है। कृषकों की मांग के अनुसार खाद की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। निर्धारित 55,864 मीट्रिक टन लक्ष्य के विरुद्ध 39,322 मीट्रिक टन खाद का भण्डारण और 35,201 मीट्रिक टन खाद का वितरण किया जा चुका है। यह आंकड़ा कुल लक्ष्य का लगभग 70 प्रतिशत है। उप संचालक कृषि अमित मोहंती ने जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को डी.ए.पी. खाद के साथ-साथ वैकल्पिक उर्वरकों जैसे एन.पी.के. एवं एस.एस.पी. की ओर भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मैदानी अमलों द्वारा गांव-गांव जाकर कृषकों को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष वैकल्पिक खादों का उठाव उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। दौरान यूरिया और एन.पी.के. की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला विपणन अधिकारी और कृषि विभाग द्वारा समन्वय स्थापित कर कंपनियों एवं वरिष्ठ कार्यालयों से लगातार संवाद किया जा रहा है। जिले में समय-समय पर रेक प्वाइंट के माध्यम से डी.ए.पी. खाद की आपूर्ति भी जारी है, जिससे भण्डारण और वितरण में किसी प्रकार की रुकावट न आए। किसानों को आवश्यकतानुसार गुणवत्ता युक्त खाद उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कृषि विभाग, विपणन संघ और सहकारी समितियों के बीच समन्वय बनाकर खाद वितरण प्रणाली को पारदर्शी, त्वरित और सहज बनाने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि जिले के कृषकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे समय पर खेतों में खाद का प्रयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें।

आदिवासी अंचलों में बेटियों के सशक्तिकरण की नई इबारत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल मोहला-मानुपर-अम्बागढ़- चौकी जिले में बेटियों के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले के सभी 29 सेक्टर मुख्यालयों में आयोजित धरती आबा संतृप्ति शिविरों के माध्यम से कुल 350 आदिवासी बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए।

यह पहल जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से साकार हुई। जिला कलेक्टर ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत अब तक जिले में 7500 से अधिक बालिकाओं के सुकन्या खाते खोले जा चुके हैं, जो बालिकाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का ठोस प्रमाण है। विशेष बात यह रही कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि को कई माताओं ने अपनी बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सुकन्या खाते में प्रारंभिक निवेश के रूप में उपयोग किया। अधिकारियों ने बताया कि यह सिर्फ खाता खोलने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह बेटियों को लेकर सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रभावशाली पहल है। हमारा प्रयास है कि कोई भी पात्र बालिका इस योजना से वंचित न रहे। इस पहल से न केवल जनजातीय समुदाय में बेटियों के भविष्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है, बल्कि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय अभियानों को स्थानीय स्तर पर सशक्त आधार भी प्रदान कर रही है। सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने का यह उत्कृष्ट उदाहरण आने वाले समय में अन्य जिलों के लिए प्रेरणादायक मॉडल बन सकता है। यह पहल यह दर्शाती है कि जब प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी मिलती है, तो विकास की किरणें समाज के सबसे दूरस्थ हिस्सों तक भी पहुंचती हैं।

सुदूर वनांचल के स्कूल हुए गुलजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षक युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया से छत्तीसगढ़ के सुदूर जिलों में शिक्षा व्यवस्था सशक्त हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रही इस पहल से सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के विद्यालयों में भी सकारात्मक बदलाव नजर आने लगी है। कभी नक्सलियों के बंदूक की आवाज सुनाई देती थी, अब वहां शिक्षा की अलख सुनाई देती है। अब विद्यार्थियों को नियमित, विषय विशेषज्ञ और प्रशिक्षित शिक्षकों से शिक्षा मिल रही है, जिससे पढ़ाई का स्तर निरंतर सुधर रहा है।

सुकमा जिला के विकाखण्ड जिला शिक्षाधिकारी छिंदगढ़ ने बताया कि शासन द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किए गए युक्तियुक्तकरण से इन विद्यालयों में अब शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित हो चुकी है।

इससे न केवल विद्यालयों में नियमित पढ़ाई हो रही है, बल्कि बच्चों की रुचि भी बढ़ी है और शिक्षकों का कार्यभार भी संतुलित हुआ है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार छिंदगढ़ विकासखंड में कुल 390 शासकीय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 288 प्राथमिक, 82 माध्यमिक, 13 हाई स्कूल और 07 हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल हैं। युक्तियुक्तकरण से पूर्व यहां 08 विद्यालय शिक्षकविहीन थे और 96 विद्यालय एकल शिक्षक पर निर्भर थे।

शिक्षक युक्तियुक्तकरण की यह पहल न केवल स्कूलों में शिक्षा का वातावरण सुदृढ़ कर रही है, बल्कि इससे ड्रॉपआउट दर में कमी और परीक्षा परिणामों में सुधार भी देखने को मिल रहा है। सरकार का यह प्रयास निश्चित रूप से राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में मददगार साबित होगा।

मेकाहारा के डॉक्टरों का कमालः पहली बार हुई गले के नस की दुर्लभ सर्जरी, 70 वर्षीय मरीज को मिली नई जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में एक दुर्लभ और जोखिमपूर्ण सर्जरी कर 70 वर्षीय मरीज की जान बचाई गई। मरीज के गले की नस कैरोटिड आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जिसे कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी नामक जटिल सर्जरी से सफ्लतापूर्वक हटाया गया। यह सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा की गई। डॉ. साहू के अनुसार यह सर्जरी राज्य में इस प्रकार की प्रथम एवं अत्यंत दुर्लभ सर्जरी है।

बालाघाट निवासी 70 वर्षीय मरीज को पिछले दो वर्षों से बार-बार लकवा, चक्कर, एक आंख से धुंधला दिखना और सुनाई न देने जैसी समस्याएं हो रही थीं। प्रारंभिक जांच के बाद कैरोटिड सीटी एंजियोग्राफी कराई गई, जिसमें पता चला कि मरीज की दाहिनी कैरोटिड आर्टरी में 95त्न से अधिक रुकावट थी। इससे मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित हो रही थी।

बेहद जोखिमभरी थी सर्जरी

डॉ. के.के. साहू ने परिजनों को स्पष्ट किया कि इस सर्जरी में जान का खतरा हो सकता है, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान यदि कोई भी प्लाक का टुकड़ा या हवा का बुलबुला मस्तिष्क में चला जाता तो मरीज ब्रेन डेड हो सकता था। इसके बावजूद मरीज एवं परिजनों ने ऑपरेशन की सहमति दी। सर्जरी के दौरान कैरोटिड शंट नामक विशेष उपकरण का प्रयोग किया गया ताकि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह लगातार बना रहे। ब्लॉकेज हटाने के बाद नस को बोवाइन पेरीकार्डियम पैच से मरम्मत कर पुनः सामान्य किया गया। सर्जरी पूरी तरह सफ्ल रही और मरीज अब स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने की स्थिति में है। डॉ. साहू के मुताबिक, गले की नस के ब्लॉकेज खोलने की अन्य विधि कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग है पर सर्जरी जिसको कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी कहा जाता है, वह सुरक्षित होता है।

क्या होती है कैरोटिड आर्टरी और क्यों होता है ब्लॉकेज?

कैरोटिड आर्टरी वह मुख्य धमनी होती है जो गले से होते हुए मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाती है। इसमें रुकावट का मुख्य कारण होता है — धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अनियंत्रित डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का जमा होना। 50त्न तक ब्लॉकेज होने पर आमतौर पर लक्षण स्पष्ट नहीं होते, परंतु 70-80त्न से अधिक ब्लॉकेज पर ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) या छोटे स्ट्रोक जैसे लक्षण सामने आते हैं — जैसे अचानक एक आंख से दिखना बंद होना, मुंह टेढ़ा होना, बोलने में दिक्कत या संतुलन बिगड़ना।

बचाव के उपाय

इस बीमारी को रोका जा सकता है - धूम्रपान और तंबाकू छोड़कर, ब्लड प्रेशर और शुगर नियंत्रित रखकर, और संतुलित आहार व नियमित व्यायाम के माध्यम से। जिन मरीजों को कोरोनरी आर्टरी डिजीज होती है, उनमें 8-10त्न मामलों में कैरोटिड आर्टरी में भी ब्लॉकेज होता है।

बिहान योजना से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

जैविक खेती से लेकर पशुधन संरक्षण तक महिला सखियों की सक्रिय भागीदारी से बढ़ी आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को मजबूती प्रदान करने की दिशा में 'बिहान' योजना प्रभावी ढंग से कारगर सिद्ध हो रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसी विभागीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

कृषि सखियों के माध्यम से गांव-गांव में किसान पाठशालाएं संचालित की जा रही हैं, जहां ग्रामीण महिलाओं को जैविक खेती की विधियां स्थानीय संसाधनों के माध्यम से सिखाई जा रही हैं। निम्बास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र एवं जीवामृत जैसी जैविक दवाओं के निर्माण की जानकारी दी जा रही है, जिससे महिलाएं अब स्वयं ही अपने घरों में जैविक कीटनाशकों का निर्माण कर रही हैं। कीटनाशक दवाओं के दुष्प्रभावों से बचने और खेती की लागत घटाने की दिशा में यह एक सकारात्मक पहल है।

इसके अतिरिक्त बीजोपचार, थरहा निर्माण एवं लाइन विधि से रोपाई जैसे वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपायों को भी सरल भाषा में समझाया जा रहा है, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन संभव हो सका है। वर्षा ऋतु को देखते हुए सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु मचान विधि को अपनाया जा रहा है। भरतपुर विकासखंड की स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय संसाधनों से छतनुमा एवं खड़ा मचान तैयार कर रही हैं, जिससे सब्जियों की सुरक्षा, तुड़ाई और छिड़काव की प्रक्रिया सरल हो रही है।

इसी क्रम में पशु सखियों की भी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। वर्षा ऋतु में पशुओं को विभिन्न रोगों से सुरक्षित रखने हेतु व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। पशु सखी अर्चना सिंह एवं अन्य 6 महिला सखियों द्वारा अब तक 1000 से अधिक बकरों एवं बकरियों का टीकाकरण किया जा चुका है। मुर्गियों के लिए भी आवश्यक औषधियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिला परियोजना प्रबंधक ने बताया कि महिलाओं से महिलाओं के बीच संवाद सहज होता है। जिले की आजीविका मुख्यतः कृषि आधारित है। ऐसे में महिला सखियों को रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रशिक्षित कर विभागीय गतिविधियों से जोड़ना ग्रामीण विकास की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। 'बिहान' योजना अंतर्गत संचालित यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामुदायिक नेतृत्व की दिशा में भी एक नया आयाम प्रस्तुत कर रही है।

एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम

महासमुंद। भारत स्काउट गाइड संघ द्वारा प्रदेशव्यापी पौधरोपण अभियान के अंतर्गत आज महासमुंद जिले के स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण परिसर (डीईओ कार्यालय) में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम की भावना के साथ सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्काउट गाइड के सदस्यों ने बेल, नीम, कदंब के पौधे लगाए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, भारत स्काउट गाइड संघ के जिला अध्यक्ष येतराम साहू, जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर, नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, कलेक्टर विनय लंगेह, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, राकेश चंद्राकर, आनंद साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, पूर्व डीईओ चंद्रसेन सहित स्काउट गाइड स्टाफ छात्र-छात्राएं एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने कहा कि वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण की सुरक्षा होती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950